CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-265
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 30 दिसम्बर 2024

आज का विचार

उम्मीदों का सूरज तब भी उगता है, जब रातें सबसे लंबी होती हैं।

भाजपा को जनवरी के आखिर में मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी को नए साल में जनवरी के अंत में नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। भाजपा नेता पीटी कुंजांग ने कहा कि 15 जनवरी तक राज्य और जिला अध्यक्षों के चुनाव पूरे होंगे। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी और जनवरी के अंत या फरवरी के पहले हफ्ते में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। भाजपा की नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में रविवार को संगठन चुनाव को लेकर अहम बैठक हुई। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, सभी महासचिव, सभी प्रदेश अध्यक्ष और सभी प्रदेश महासचिवों के साथ-साथ संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के प्रमुख और सह प्रमुख शामिल हुए। बैठक के बाद कुंजांग ने बताया कि बैठक में संगठन की चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं पर चर्चा हुई। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड को 15 जनवरी तक नए अध्यक्ष मिल सकते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 2023 में खत्म हो चुका है। हालांकि लोकसभा और कई राज्यों के विधानसभा चुनाव को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। नड्डा जनवरी 2020 में पार्टी के अध्यक्ष बनाए गए थे। भाजपा के संविधान के अनुसार, कोई व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक लगातार अध्यक्ष रह सकता है। साथ ही नड्डा केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी शामिल किए गए हैं, ऐसे में उनका फिर से अध्यक्ष बनने की उम्मीद खत्म हो गई है।

मप्र सहित इन राज्यों में मिलेंगे नए प्रदेश अध्यक्ष पार्टी के सूत्रों के अनुसार, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, गुजरात, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर और झारखंड को 15 जनवरी तक नए प्रदेश अध्यक्ष मिल सकते हैं। मध्यप्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का कार्यकाल पूरा हो चुका है। उन्हें 2020 में प्रदेश की कमान मिली थी, लेकिन लोकसभा और विधानसभा चुनाव के मद्देनजर शर्मा का कार्यकाल बढ़ाया गया था। वीडी शर्मा खजुराहो से सांसद हैं और उन्हें दूसरा कार्यकाल मिलने की उम्मीद कम ही है। इस वजह से जातिगत और क्षेत्रगत राजनीति को देखते हुए कई नाम प्रदेश अध्यक्ष की रेस में चल रहे हैं। इनमें नरोत्तम मिश्रा, रामेश्वर शर्मा, सुमेर सिंह सोलंकी, लाल सिंह आर्य अहम हैं।

आगामी चुनाव को लेकर हुई चर्चा बैठक में संगठन चुनावों और अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मशती समारोह के साथ ही आगामी चुनावों के मद्देनजर रणनीतियों पर भी चर्चा हुई। पार्टी ने संगठन स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और जनसंपर्क बढ़ाने के निर्देश दिए। बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि यह संगठन पर्व पार्टी को मजबूत करने और आगामी चुनावों में सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

एक साल तक सुशासन पर्व मनाएगी भाजपा कुंजांग ने बताया कि पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को पूरे एक साल तक मनाने का फैसला किया है। इस साल उन्होंने 100 साल पूरे किए हैं। इस खास मौके को यादगार बनाने के लिए भाजपा उनकी जयंती को पूरे एक साल तक सुशासन पर्व के तौर पर मनाएगी। उन्होंने कहा कि यह भी फैसला लिया गया कि पार्टी कांग्रेस के बीआर अंबेडकर के अपमान के आरोप के जवाब में संविधान पर्व भी मनाएगी।

इस तरह चुना जाता है बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष बीजेपी में अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए पार्टी के संविधान में स्पष्ट निर्देश हैं। पार्टी के संविधान की धारा-19 के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की व्यवस्था की गई है। धारा-19 के मुताबिक, पार्टी के अध्यक्ष का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषदों के सदस्य होंगे। पार्टी के संविधान में कहा गया है कि यह चुनाव राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा निर्धारित नियमों के मुताबिक किया जाएगा। अध्यक्ष चुने जाने के लिए यह जरूरी है कि व्यक्ति कम से कम 15 साल तक पार्टी का प्राथमिक सदस्य रहा हो। धारा-19 के पेज में ही यह लिखा गया है कि निर्वाचक मंडल में से कुल 20 सदस्य राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव की योग्यता रखने वाले व्यक्ति के नाम का प्रस्ताव रखेंगे। यह संयुक्त प्रस्ताव कम से कम 5 ऐसे प्रदेशों से भी आना जरूरी है, जहां राष्ट्रीय परिषद के चुनाव संपन्न हो चुके हों। इसके अलावा इस तरह के चुनाव के लिए नामांकन पत्र पर उम्मीदवार की स्वीकृति भी जरूरी है।

यह भी है राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए शर्त भाजपा के संविधान के मुताबिक कम से कम 50 प्रतिशत यानी आधे राज्यों में संगठन चुनाव के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जा सकता है। इस लिहाज से देश के 29 राज्यों में से 15 राज्यों में संगठन के चुनाव के बाद ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है।

महू में बोले राजनाथ- दुश्मन बाहरी हो अंदर का उस पर पैनी नजर रखना होगी

इंदौर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय दौरे पर महू पहुंचे। रविवार दोपहर वे महू में बाबा साहबे अंबेडकर की जन्मस्थली पहुंचे और माल्यार्पण किया। इसके बाद वे आर्मी वार कॉलेज के कार्यक्रम में पहुंचे और संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा अलर्ट रहने की जरुरत है। हमारे दुश्मन बाहरी हो आंतरिक, उनकी गतिविधियों पर हमेशा पैनी नजर रखना होगी, ताकि वे देश का नुकसान न कर पाए। हमारी सेना के अनुशासन और साधना में कमी नहीं है। सेना का कर्तव्य, समर्पण का भाव देशवासियों को देश प्रेम के लिए प्रेरित करता है। कर्म के प्रति निष्ठा की वजह राष्ट्रप्रेम है। यह निष्काम कर्म ही सेना को एक अलग मुकाम पर लाकर खड़ा रखता है। सिंह ने कहा कि वर्ष 2047 तक देश विकसित और आत्मनिर्भर देश बनेगा। इसमें लक्ष्य को पाने के लिए सेना की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। हर क्षेत्र में हम प्रगति कर रहे है। हमें विश्व की सबसे बड़ी ताकत बनने में कोई नहीं रोक सकता है।

प्लेन से टकराई चिड़िया, 179 विमान यात्रियों की मौत

सियोल। दक्षिण कोरिया में हवाई अड्डे पर उतरते समय एक विमान में आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 179 हो गई है। दक्षिण कोरिया की अग्निशमन एजेंसी ने यह जानकारी दी। आपातकालीन कार्यालय ने बताया कि दक्षिणी शहर मुआन के हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ जेजू एयर यात्री विमान 181 लोगों को लेकर बैंकॉक से लौट रहा था। कार्यालय के मुताबिक, विमान लैंडिंग गियर में खराबी के कारण रनवे से फिसलकर एक अवरोधक से जा टकराया जिससे उसमें आग लग गई। इसी बीच एक नया वीडियो फुटेज भी सामने आया है जिसमें दावा किया जा रहा है कि आसमान में ही विमान से चिड़िया टकरा गई थी। इसी वजह से आसमान में ही विमान में ही आग लग गई और लैंडिंग गियर खराब हो गया। विमान ने रनवे पर दो बार उतरने की कोशिश की। पहली बार विमान फिसल गया और दूसरे प्रयास में इसमें आग लग गई। बोइंग 737 800 जेट में कम से कम 175 लोग सवार थे जिसमें चालक दल के 6 सदस्य शामिल थे। यह विमान थाईलैंड के बैंकॉक से पहुंचा था। वीडियो में सामने आया कि विमान रनवे पर उतरते ही आग के गोले मे बदल गया।

जेजू एयर के सीईओ ने मांगी माफी दक्षिण कोरिया में हुए भीषण विमान हादसे को लेकर एयरलाइंस जेजू एयर के सीईओ ने माफी मांगी है। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर यह माफी पोस्ट की गई है। जेजू एयर के सीईओ किम ई-बे ने मुआन हवाई अड्डे पर हुई दुर्घटना के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हम भी संबंधित सरकारी एजेंसी की जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। किम ई-बे ने माफीनामे में लिखा कि सबसे पहले, हम उन सभी लोगों से माफी मांगते हैं जिन्होंने जेजू एयर पर भरोसा किया। 29 दिसंबर को सुबह लगभग 9ः03 बजे, बैंकॉक से मुआन जाने वाली फ्लाइट में मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते समय आग लग गई। हम इस दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले यात्रियों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और माफी मांगते हैं।

मारपीट मामले में पूर्व सांसद कंकर मुंजारे को गिरफ्तार कर कोर्ट ले गई पुलिस

बालाघाट। धान खरीदी केंद्र के प्रभारी से मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने पूर्व सांसद कंकर मुंजारे को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने पूर्व सांसद होने के कारण उन्हें एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट जबलपुर के समक्ष पेश करने के आदेश जारी किए। गिरफ्तार पूर्व सांसद को पुलिस सोमवार को जबलपुर स्थित एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट में पेश करेगी। पूर्व सांसद मुंजारे पर आरोप है कि 27 दिसंबर को लालबर्रा तहसील के धान खरीदी केंद्र धपेरा मोहगांव में उनके द्वारा धान खरीदी केंद्र प्रभारी और कंप्यूटर ऑपरेटर से मारपीट करते हुए खरीदी कार्य में व्यवधान डाला था। घटना के संबंध में लालबर्रा थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। पुलिस ने पूर्व सांसद सहित चार अन्य साथियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत पर एफआईआर दर्ज की थी। कृषक रामलाल धान लेकर बेचने के लिए केंद्र पहुंचा था। कृषक की धान को अमानक पाए जाने पर केंद्र प्रभारी ने उसे खरीदने से मना कर दिया। कृषक ने कंकर मुंजारे को इस संबंध में जानकारी दी। पूर्व सांसद अपने साथियों के साथ केंद्र पर पहुंचे और बातचीत के दौरान उनका केंद्र प्रभारी और ऑपरेटर से उनका विवाद हो गया और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। मारपीट का पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था। पुलिस ने रविवार दोपहर घर में दबिश देकर पूर्व सांसद को गिरफ्तार किया। पुलिस ने पूर्व सांसद को न्यायाधीश रौनक पाटीदार की कोर्ट में पेश किया। पूर्व सांसद होने के कारण न्यायालय ने उन्हें जबलपुर स्थित एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट के समक्ष सोमवार सुबह 11.00 बजे पेश करने के आदेश जारी किए हैं।

कांग्रेस का आरोप- मनमोहन को गन सैल्यूट के दौरान पीएम मोदी बैठे रहे

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक विवाद के बाद कांग्रेस ने अब उनके उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था को लेकर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह के राजकीय अंतिम संस्कार में सरकार की तरफ से अव्यवस्था और अनादर देखकर हैरानी हुई। खेड़ा ने अंतिम संस्कार से जुड़ी आपत्तियां दर्ज कराईं। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह के परिवार के लिए 3 ही कुर्सियां रखी गईं। परिवार के बाकी लोगों को कुर्सियां मांगनी पड़ीं। इसके अलावा उन्होंने पीएम मोदी पर यह आरोप भी लगाया कि जब डॉ. सिंह की पत्नी को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा गया और गन सैल्यूट दिया गया तो पीएम मोदी और मंत्री खड़े नहीं हुए। खेड़ा ने कहा कि डॉ. सिंह सम्मान और गरिमा के हकदार थे। इस अव्यवस्था से ये साफ होता है कि एक महान नेता के प्रति केंद्र सरकार के प्राथमिकताओं और लोकतांत्रिक मूल्यों में कितनी कमी है। इससे पहले राहुल गांधी ने शनिवार को कहा था कि सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर केंद्र सरकार ने उनका सरासर अपमान किया है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने रविवार को आरोप लगाया कि डॉ. मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन में कांग्रेस का कोई भी नेता नहीं पहुंचा। उन्होंने पवन खेड़ा के सभी सवालों का जवाब दिया।

12वीं की छात्रा काम्या ने 7 महाद्वीपों की 7 सबसे ऊंची चोटियों पर की चढ़ाई

मुंबई। आम तौर पर जिस उम्र में बच्चे अपने शौक पूरे करने के लिए जिद ठानते हैं, उसी उम्र में मुंबई की 12वीं कक्षा की छात्रा काम्या कार्तिकेयन ने ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। काम्या ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। काम्या कार्तिकेयन ने सात महाद्वीपों की सात सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ाई की। वे ऐसा करने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की किशोरी हैं। काम्या की सफलता पर भारतीय नौसेना की तरफ से बयान जारी किया गया। नौसेना ने कहा कि युवा एवरेस्टर ने अपने पिता कमांडर एस कार्तिकेयन के साथ 24 दिसंबर 2024 को सात शिखरों की चुनौती पूरी की। चिली के मानक समयानुसार 17.20 बजे काम्या माउंट विंसेंट अंटार्कटिका की चोटी पर पहुंचीं। नौसेना ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर काम्या कार्तिकेयन और उनके पिता को बधाई देती है।

चीन ने पेश किया दुनिया की सबसे तेज हाई-स्पीड ट्रेन टेस्ट में 450 किमी की स्पीड से दौड़ी

बीजिंग। चीन ने रविवार को अपनी हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन का अपडेटेड मॉडल पेश किया, जिसके निर्माता का दावा है कि परीक्षण के दौरान इसने 450 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी, जिससे यह दुनिया की सबसे तेज हाई-स्पीड ट्रेन बन गई। वहीं आधिकारिक मीडिया ने बताया कि सीआर450 प्रोटोटाइप ने 450 किलोमीटर प्रति घंटे की परीक्षण गति हासिल की, जिसमें प्रमुख प्रदर्शन संकेतक-परिचालन गति, ऊर्जा खपत, आंतरिक शोर और ब्रेकिंग दूरी ने एक नया अंतरराष्ट्रीय मानक स्थापित किया। सरकारी समाचार एजेंसी, शिन्हुआ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वर्तमान में सेवा में चल रही सीआर400 फुक्सिंग हाई-स्पीड रेल (एचएसआर) से काफी तेज है, जो 350 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलती है।

जल्द ही जल्द वाणिज्यिक सेवा की तैयारी चीन रेलवे प्रोटोटाइप के लिए लाइन परीक्षणों की एक श्रृंखला की व्यवस्था करेगा और तकनीकी संकेतकों को अनुकूलित करेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सीआर450 जल्द से जल्द वाणिज्यिक सेवा में प्रवेश करे। चाइना स्टेट रेलवे ग्रुप कंपनी (चाइना रेलवे) के अनुसार, सीआर450 प्रोटोटाइप के नाम से जाना जाने वाला नया मॉडल यात्रा के समय को और कम करेगा और कनेक्टिविटी में सुधार करेगा, जिससे देश के विशाल यात्रियों के लिए यात्रा अधिक सुविधाजनक और कुशल हो जाएगी।

परिचालन एचएसआर ट्रैक लगभग 47,000 किमी पहुंची नए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चीन के परिचालन एचएसआर ट्रैक लगभग 47,000 किमी तक पहुंच चुके हैं, जो देश के प्रमुख शहरों को जोड़ते हैं। हालांकि लाभदायक नहीं है, चीन का कहना है कि एचएसआर नेटवर्क विस्तार ने देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे यात्रा का समय कम हुआ है और रेलवे मार्गों पर औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिला है।आंतरिक सर्वेक्षणों के अनुसार, बीजिंग-शंघाई ट्रेन सेवा सबसे अधिक लाभदायक थी, जबकि अन्य शहरों में नेटवर्क अभी तक आकर्षक नहीं बन पाए हैं। हाल के वर्षों में, चीन के एचएसआर ने थाईलैंड और इंडोनेशिया में अपने नेटवर्क का निर्यात किया और सर्बिया में बेलग्रेड-नोवी सैड एचएसआर का निर्माण किया।

इंदौर में लूट को अंजाम देने वाले लुटेरों का दिल्ली में शॉर्ट एनकाउंटर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के रेसकोर्स क्षेत्र में 15 लाख की लूट को अंजाम देने वाले बदमाशों का दिल्ली पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर किया है। बदमाशों ने इंदौर के बाद दिल्ली में भी लूट की वारदात की थी। दिल्ली पुलिस को भी उनकी तलाश थी। रविवार को दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में दिल्ली पुलिस से उनका सामना हुआ। पकड़े जाने से बचने के लिए बदमाशों ने पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस ने भी जवाब में फायर किए, जो बदमाशों के पैरों में लगे। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। वे फिलहाल अस्पताल में भर्ती है। ठीक होने के बाद इंदौर पुलिस भी उन्हें इंदौर लाएगी और रिमांड लेगी।इंदौर के रेसकोर्स रोड क्षेत्र में 11 नवंबर को रेसकोर्स रोड में तीन व्यापारियों से पंद्रह लाख रुपये के जेवर दिल्ली के बदमाशों ने लूट लिए थे। पुलिस ने ढाई सौ फुटेज की जांच की तब पता चला कि आरोपियों के रोहित कपूर और रिंकू है। दोनो दिल्ली की कुछ वारदातों में भी शामिल है। इसके बाद इंदौर पुलिस ने दिल्ली में भी डेरा डाला, लेकिन बदमाश नहीं मिले। इस बीच रविवार को दिल्ली पुलिस की उनसे मुठभेड़ हो गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इंदौर पुलिस फिर जाएगी दिल्ली

बदमाशों ने रेसकोर्स रोड की लूट से पहले पटेल प्रतिमा चौराहा से एक बाइक चुराई थी। इसके बाद उन्होंने विजय नगर क्षेत्र में एक युवती से लूट का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे। रेसकोर्स रोड की लूट के बाद उन्होंने बाइक को सांवेर रोड़ क्षेत्र में छोड़ दिया और बस से उज्जैन निकल गए थे। पुलिस ने उन्हें उज्जैन में भी तलाश था। अब पुलिस को दोनो बदमाशों के दिल्ली में गिरफ्तार होने की सूचना मिली है। पुलिस अब दोनो बदमाशों से पूछताछ के लिए दिल्ली जाएगी। दिल्ली पुलिस ने भी बदमाशों से पूछताछ की।

पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों की पहचान रोहित कपूर और रिंकू के रूप में की है। ये दोनों दिल्ली के द्वारका और ख्याला थानों के बैड कैरेक्टर हैं। पुलिस के अनुसार, इन दोनों पर करीब 80 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से अधिकांश लूट के हैं। इनमें से 60 केसदिल्ली और मध्य प्रदेश में दर्ज हैं।

दोनों आरोपियों ने कबूली इंदौर की लूट

रविवार को दिल्ली पुलिस ने इनसे पूछताछ की, जिसमें इंदौर की लूट की वारदात भी दोनों ने कबूल कर ली है। अब इंदौर पुलिस इनसे पूछताछ के लिए दिल्ली जा सकती है। हालांकि, इस मामले में इंदौर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से अभी कोई नई जानकारी सामने नहीं आई है। टीआई जितेंद्र यादव ने बताया कि रेसकोर्स रोड पर रहने वाले व्यापारी कमलेश खंडेलवाल, उनके बेटे और पड़ोसी से लूटपाट करने के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे। उनके हुलिये के आधार पर पुलिस ने रोहित और रिंकू की भूमिका की पुष्टि की।

भोपाल में 12 कंटेनरों में भरा जा रहा कचरा, लोडिंग में जुटे 400 एक्सपर्ट-कर्मचारी, 250 किमी का ग्रीन कॉरिडोर भी बनेगा

यूनियन कार्बाइड का 337 टन जहरीला कचरा 3 जनवरी तक पहुंचेगा पीथमपुर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के लिए जिम्मेदार यूनियन कार्बाइड कारखाने के 337 टन जहरीले कचरे को इंदौर के पास पीथमपुर की एक औद्योगिक अपशिष्ट निपटान इकाई में नष्ट किए जाने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह अपशिष्ट राज्य की राजधानी भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने में पड़ा है जहां से दो और तीन दिसंबर 1984 की दरमियानी रात जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव हुआ था। दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक त्रासदियों में गिनी जाने वाली इस घटना में 5,479 लोगों की मौत हो गई थी और पांच लाख से अधिक लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और दीर्घकालिक विकलांगताओं से पीड़ित हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि भोपाल गैस त्रासदी के बाद से बंद पड़े यूनियन कार्बाइड कारखाने के 337 टन रासायनिक कचरे को पीथमपुर में एक निजी कंपनी रामकी एनवायरो की अपशिष्ट निपटान इकाई तक पहुंचाने के लिए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पीथमपुर, राज्य का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है। अधिकारियों के मुताबिक 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे को हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई है। रविवार सुबह एक्सपर्ट्स की टीम मौके पर पहुंची और कड़े सुरक्षा घेरे में कचरे को 12 कंटेनर में भरने की प्रोसेस शुरू की।

3 जनवरी से पहले जहरीले कचरे के कंटेनर पीथमपुर पहुंचेंगे

3 जनवरी से पहले कंटेनरों को पीथमपुर पहुंचाया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में कैम्पस के अंदर जाने की मनाही है। कैम्पस के आसपास 100 से से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। वहीं, कुल 400 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी, एक्सपर्ट्स और डॉक्टरों की टीम इस काम में जुटी है। गैस कांड के 40 साल बाद रामकी कंपनी के एक्सपर्ट्स की मॉनिटरिंग में ये कचरा 12 कंटेनर ट्रकों में भरा जा रहा है।

कचरे को पीथमपुर तक सुरक्षित भेजकर नष्ट करेंगे

राज्य के गैस राहत और पुनर्वास विभाग के निदेशक स्वतंत्र कुमार सिंह ने कहा कि हम इस जहरीले कचरे को सुरक्षित तौर पर पीथमपुर भेजकर नष्ट करेंगे। उन्होंने कहा कि इस रासायनिक कचरे को भोपाल से पीथमपुर भेजने के लिए करीब 250 किलोमीटर लंबा ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाएगा। ग्रीन कॉरिडोर का मतलब सड़क पर यातायात को व्यवस्थित करके कचरे को कम से कम समय में गंतव्य तक पहुंचाने से है। सिंह ने इस कचरे को पीथमपुर भेजकर नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की कोई विशिष्ट तारीख बताने से इनकार कर दिया, लेकिन सूत्रों का कहना है कि उच्च न्यायालय के निर्देश के मद्देनजर यह प्रक्रिया जल्द शुरू हो सकती है।

पहले कुछ हिस्से को जलाकर देखा जाएगा

गैस राहत और पुनर्वास विभाग के निदेशक ने बताया कि पीथमपुर की अपशिष्ट निपटान इकाई में शुरुआत में कचरे के कुछ हिस्से को जलाकर देखा जाएगा और इसके ठोस अवशेष (राख) की वैज्ञानिक जांच की जाएगी ताकि पता चल सके कि इसमें कोई हानिकारक तत्व तो बचा नहीं रह गया है। कचरे को भस्मक में जलाया जाएगा और जो जलने योग्य नहीं है, उसे लैंडफील किया जाएगा।

हर घंटे में 90 किलो कचरा जलाया जाएगा

रामकी कंपनी को भी तय प्रक्रिया के तहत विषैले कचरे को जलाना होगा। हर घंटे में 90 किलो कचरा जलाया जाएगा। इस लिहाज से 337 टन कचरे के निपटान में डेढ़ सौ दिन से ज्यादा का समय लगेगा। शुरूआती में प्रयोग के तौर पर कचरा जलाया जाएगा और उससे होने वाले असर का परीक्षण किया जाएगा,हालांकि वर्ष 2008 में दस टन कचरा पीथमपुर के तारापुर गांव में दफन किया जा चुका है। इस कारण गांव की नदी का पानी दूषित हो चुका है। गांव के आसपास की खेती भी इससे प्रभावित हुई है और मवेशी भी नदी का पानी पीकर बीमार हो जाते है। ग्रामीण बोरिंग के पानी का उपयोग नहीं कर सकते है। धार और पीथमपुर के जनप्रतिनिधि कचरा जलाने का लगातार विरोध कर रहे है। उनका कहना है कि इससे पीथमपुर के औद्योगिक विकास पर असर पड़ेगा। जिस जगह कचरा भस्मक लगा है। उसके पास ही आबादी क्षेत्र है। पहले जो कचरा यहां दफनाया गया है, उसकी वजह से काफी परेशानी ग्रामीणों को झेलना पड़ रही है।

इस मार्ग से पीथमपुर पहुंचेगा कचरा

ट्रक करोंद मंडी होते हुए पीपुल्स मॉल, करोंद चौराहा, गांधी नगर, मुबारकपुर, सीहोर नाका होते हुए इंदौर जाएंगे। यह रूट इसलिए चुना गया है, क्योंकि रात के समय इस रूट पर ट्रैफिक का दबाव कम रहता है। जहरीले कचरे के हर कंटेनर का एक यूनिक नंबर होगा। ये ट्रक कंटेनर जिस रूट से निकलेंगे उसकी सूचना जिला प्रशासन को दे दी जाएगी। रास्ते पर ट्रैफिक रोकने की जिम्मेदारी भोपाल और इंदौर के संभाग आयुक्तों को सौंपी गई है।

जहरीला कचरा ला रहे मजदूरों को दी जाएगी सुरक्षा

जो मजदूर कंटेनर ट्रकों में कचरा भर रहे हैं, उन्हें सेफ्टी के सारे उपकरण और सुविधाएं दी गई हैं। अंदर ही डॉक्टरों की टीम भी तैनात की गई है, जो हर हालात पर नजर रख रही है। कचरा लोडिंग के दौरान अगर किसी की तबीयत बिगड़ती है तो फौरन मौके पर ही उसे दवा और ट्रीटमेंट देने के इंतजाम है।

गाइडलाइन को फॉलो करते हुए भेज रहे कचरा भोपाल गैस त्रासदी राहत-पुनर्वास के संचालक स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया, गाइडलाइन को फॉलो करते हुए कचरे को भोपाल से पीथमपुर ले जाया जाएगा। हाईकोर्ट के निर्देश में पूरी प्रोसेस की जा रही है। 3 जनवरी को हाईकोर्ट में शपथ पत्र देना है। इसलिए कचरे को भेजने की प्रक्रिया इससे पहले पूरी कर लेंगे। पीथमपुर में कचरा पहुंचाने के बाद उसे 9 महीने में जलाना है।

कचरे का निपटारा नहीं होने पर कोर्ट ने जिताई थी नाराजगी

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने भोपाल गैस त्रासदी के 40 साल बाद भी यूनियन कार्बाइड कारखाने के जहरीले कचरे का निपटारा नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए तीन दिसंबर को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि इस कचरे को तय अपशिष्ट निपटान इकाई में चार हफ्तों के भीतर भेजा जाए। राज्य के गैस राहत और पुनर्वास विभाग के निदेशक स्वतंत्र कुमार सिंह ने कहा कि भोपाल गैस त्रासदी का कचरा एक कलंक है जो 40 साल बाद मिटने जा रहा है। शासन छह जनवरी से पहले पीथमपुर में कचरा लाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसका मामला हाईकोर्ट में है। सरकार को कोर्ट में जवाब भी पेश करना है। भोपाल में कचरे के निपटना की तैयारी शुरू हो चुकी है।

जहरीले कचरे को पीथमपुर में जलाने का हो रहा विरोध

पीथमपुर में रविवार सुबह से भोपाल गैस त्रासदी का जहरीला कचरा पीथमपुर की कंपनी में जलाने का विरोध शुरू हो गया। पीथमपुर क्षेत्र रक्षा मंच के नेतृत्व में राम रामेश्वर मंदिर से महाराणा प्रताप बस स्टैंड तक रैली का आयोजन किया। रैली में लोगों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर जमकर नारेबाजी की। यूनियन कार्बाइड के कचरे को पीथमपुर की कंपनी में जलाने का विरोध पहले से शहर में चल रहा है। पीथमपुर बचाओ समिति कचरे जलाने के विरोध में हस्ताक्षर अभियान, धरना प्रदर्शन, रैली, निकाली जा चुकी है। वहीं कांग्रेस ने पिछले रविवार प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में धार जिले के विधायकों के साथ धरना देकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा था।

केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर भी जता चुकी आपत्ति

केंद्रीय मंत्री व धार सांसद सावित्री ठाकुर भी कह चुकी है कि जितनी राशि कंपनी को कचरे के निपटान के लिए दी जा रही है। उतनी राशि में सूनसान क्षेत्र में फैक्टरी लगाकर कचरे को निपटान किया जा रहा है। दूसरे राज्य जिस कचरे को जलाने के लिए तैयार नहीं है। उसे पीथमपुर में क्यों जलाया जा रहा है।

गैस से भरे टैंकर ने दोपहिया वाहन को मारी टक्कर, दो दोस्तों की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के मांगलिया क्षेत्र में एक गैस टैंकर की टक्कर से दो दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों अलग-अलग फैक्टरी में काम करते थे। वहां से लौटते समय सांची दूध के डिपो के पास यह हादसा हो गया। दोनों एक एक्टिवा पर सवार थे। हादसे के बाद टैंकर चालक फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया है। क्षिप्रा थाना पुलिस के अनुसार हादसे में विकास राणावत और चंद्रकांत की मौत हो गई। विकास का भाई विपिन भी साथ था, लेकिन उसने विकास को चंद्रकांत के साथ एक्टिवा पर जाने को कहा था। दोनों कुछ ही दूरी पर आए थे, तभी एक टैंकर ने पीछे से एक्टिवा को टक्कर मार दी। टैंकर का पहिया चंद्रकांत के शरीर से गुजर गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पीछे आ रहे विपिन ने विकास और चंद्रकांत को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद चालक मौके से भाग गया। पुलिस ने टैंकर के जब्त कर लिया है। विकास की ढाई साल पहले शादी हुई थी। परिवार में पत्नी, एक बेटा भाई और मां है। चंद्रकांत इकलौता था। दो साल पहले ही उसके पिता की मौत हो गई थी। चंद्रकांत एक दवा फैक्टरी में काम करता था। वह विकास और विपिन का दोस्त था। चंद्रकांत की शादी नहीं हुई थी।

साझा उत्सव-एसएचजी मेला में लोकल टू वोकल को बढ़ावा, कई स्टॉल लगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के गांधी हॉल में साझा उत्सव - एसएचजी मेला आयोजित किया गया है। जिसमें 80 से ज्यादा स्व सहायता समूहों के स्टॉल लगे हैं। रविवार को यहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और कई प्रकार के व्यंजनों के लुत्फ उठाया। शहरी-गरीबी उन्मूलन प्रकोष्ठ प्रभारी मनीष मामा शर्मा ने बताया कि महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर गांधी हॉल परिसर में ें साझा उत्सव - एसएचजी मेला आयोजित किया गया है। यह मेला 31 दिसंबर तक चलेगा। मेले में इंदौर नगर निगम द्वारा डे-एनयूएलएम, फूड प्रोसेसिंग, पैक्ड फूड और अन्य उत्पादों के 80 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जो स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित हैं। मेले का उद्देश्य लोकल टू वोकल को प्रोत्साहन देना है, जहां लोग आवश्यक और सुंदर उत्पाद देख और खरीद सकते हैं। इस मेले के जरिये महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा और महिला सशक्तिकरण को बल मिलेगा। इस आयोजन से महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए बढ़ावा मिलेगा। शहरी-गरीबी उपशमन विभाग की दीप्ति रावत ने बताया किों साझा उत्सव - एसएचजी मेले में 80 से अधिक स्व सहायता समूहों ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए हैं। यह मेला लोकल से वोकल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

शॉर्ट सर्किट से कार में अचानक लगी आग परिवार ने समय रहते बचाई जान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के राउ इलाके में रविवार सुबह एक कार में अचानक आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

फायर ब्रिगेड के अनुसार, सुबह करीब 6.30 बजे बिजलपुर इलाके से आग की सूचना मिली थी। दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और पाया कि कार के बोनट से धुआं निकल रहा था। बताया गया कि शॉर्ट सर्किट के कारण कार में आग लगी थी। कार चला रहे विवेकनाथ पुत्र राधेश्याम और उनका परिवार कार में सवार था।

इसके बाद चालक कार से बाहर निकलकर मौके से चला गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने क्रेन की मदद से कार को हटाया। कार एक शासकीय वरिष्ठ अधिकारी की बताई जा रही है। एसआई संतोष दुबे ने बताया कि कार में सवार परिवार उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। परिवार महू से उत्तर प्रदेश जा रहा था। कार में विवेकनाथ के अलावा उनकी पत्नी भावना और बेटा भी सवार थे। बाद में परिवार ने दूसरी कार से यात्रा जारी रखी।

स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज बोले- मोहन भागवत हमारे आदर्श

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज रविवार को इंदौर पहुंचे। मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने महाकुंभ में आने के लिए आह्वान किया और कहा कि वे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के विचारों का आदर करते हैं और उनसे सहमत हैं। मोहन भागवत के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि मोहन भागवत हमारे आदर्श हैं। उन्होंने कहा है कि सबका आदर करना चाहिए और सबकी भावनाओं का सम्मान करते हुए देश में अच्छा वातावरण बनाना चाहिए। मोहन भागवत हिंदू समाज के रक्षक हैं। वे चिरकाल से हिंदू मान्यताओं के संरक्षण के लिए अपना जीवन समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्व का सबसे अनुशासित संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है, जो मोहन भागवत के नेतृत्व में चल रहा है। संसारभर की एजेंसियां कहती हैं कि आरएसएस जैसा अनुशासित संगठन कोई और नहीं है।

पीएम नरेंद्र मोदी भी इन्हीं विचारों से प्रेरित होकर देश को अद्भुत बना रहे हैं। मैं मोहन भागवत के विचारों का आदर करता हूं और उनसे पूरी तरह सहमत हूं। दरअसल, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज इंदौर में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। मंत्री तुलसी सिलावट और विधायक मालिनी गौड़ ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट पर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने मीडिया से बातचीत की और सवालों के जवाब दिए। प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ पर स्वामी अवधेशानंद ने कहा कि भारत की संस्कृति अत्यंत प्राचीन है। जब से मानव और प्राणी अस्तित्व में आए हैं, तब से भारत की सनातन संस्कृति विद्यमान है। सनातन संस्कृति के उच्चतम प्रतिमान, दिव्य मूल्य, गौरव, और वैभव को देखना हो तो महाकुंभ सबसे उपयुक्त स्थान है। उज्जैन में इसे सिंहस्थ कहा जाता है, हरिद्वार में कुंभस्थ और प्रयाग में महाकुंभ। इस बार प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में 35 से 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

कड़ाके की सर्दी में गरीबों का हाल जानने रैन बसेरों में पहुंचे सीएम मोहन यादव

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। कड़ाके की सर्दी के बीच सीएम मोहन यादव ने रात 10 बजे भोपल के दो रैन बसेरों का निरीक्षण किया है। इस दौरान सीएम ने रैन बसेरों की स्थिति देखी है। साथ ही वहां राहगीरों, गरीबों और रैन बसेरों में ठहरे लोगों से बात की है। उनका हालचाल जाना है। इसके साथ ही कंबल वितरित किए हैं। सीएम मोहन यादव ने सभी कलेक्टर्स को रैन बसेरों में राम-रोटी शुरू करने के आदेश दिए हैं।सीएम मोहन यादव सबसे पहले यादगार ए शाहजहांनी पार्क स्थित रैन बसेरा पहुंचे। उन्होंने रैन बसेरे में मौजूद लोगों से बात की है। साथ ही वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जाना है। राहगीरों ने बताया कि यहां की सभी व्यवस्थाएं ठीक हैं। भोजन की व्यवस्था भी होनी चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री ने कलेक्टर भोपाल को निर्देशित किया कि सभी रैन बसेरों में राम-रोटी की व्यवस्था करें।

इस दौरान सीएम को दिव्यांग प्रताप मालवीय ने बताया कि वह हर एक दो दिन में आ जाते हैं, उनकी चार बेटियां हैं, गुजारे की कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए वे यहां आकर रहते हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को प्रताप की हरसंभव मदद करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सभी को कंबल प्रदान किए।

प्लेटफॉर्म नबंर 6 के पास बने रैन बसेरा में पहुंचे

मुख्यमंत्री मोहन यादव इसके बाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 के पास स्थित रैन बसेरा पहुंचे। रैन बसेरे का निरीक्षण कर उन्होंने वहां मौजूद सभी राहगीरों और गरीब व्यक्तियों से चर्चा कर उन्हें भी कंबल वितरित किए। लोगों ने बताया कि हमलोग आगे की सफर के लिए यहां रुके हैं।

महिलाओं को भी बांटे कंबल

रैन बसेरे का निरीक्षण लौटते हुए मुख्यमंत्री यादव ने प्लेटफॉर्म नंबर 6 के सामने ही कुछ महिलाओं को बैठे देखा। उन्होंने वाहन रूकवाकर महिलाओं के पास जाकर चर्चा की और यहां बैठने की वजह पूछी। महिलाओं ने बताया कि वे सब्जी बेचने आती हैं। रात कहां बिताओगी, मुख्यमंत्री ने पूछा तो महिलाओं ने बताया कि यहीं पर। खुले आसमान के नीचे रात बिताने की बात जानकारी मुख्यमंत्री सभी महिलाओं को कंबल वितरित किए और कलेक्टर से कहा कि इन सभी के लिए भी व्यवस्थाएं की जाएं।

किसी को बेसहारा नहीं रहने देगी

उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों और महिलाओं के कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। किसी भी गरीब सरकार की योजनाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार समाज के वंचित वर्गों के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है। सरकार किसी भी व्यक्ति को बेसहारा नहीं रहने देगी।

हर व्यक्ति को मदद पहुंचाना है उद्देश्य

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य समाज के हर व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। ठंड के इस मौसम में किसी को भी परेशानी का सामना न करना पड़े, यही हमारी प्राथमिकता है। राहगीरों और गरीबों ने मुख्यमंत्री की इस संवेदनशीलता की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी जरुरतमंदों को कंबल एवं गर्म कपड़े देकर सर्दी से जितना हो सके, बचने की अपील की।

ग्रामीणों ने स्पेशल डीजी के दामाद को घेरा, बचाने के लिए मंगाई फोर्स

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस में नंबर दो की रैंक रखने वाले स्पेशल डीजी के दामाद जमीन में मामले में 'घिर' गए।

जब वे जमीन के सीमांकन के लिए पहुंचे तो जमीन बेचने वाले पक्ष के विरोधी और अन्य ग्रामीणों ने उनपर हमला बोल दिया। इसके बाद पटवारी और जमीन बेचने वाले पक्ष पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। गांववालों ने स्पेशल डीजी की कार पर पत्थरबाजी कर दी। वहीं, पास में मौजूद एक किसान की पत्नी ने जहर पी लिया।

यह पूरा मामला खजूरी थाना क्षेत्र में बरखेड़ा सालम में सामने आया। मध्यप्रदेश पुलिस सुधार सेल के स्पेशल डीजी शैलेश सिंह के दामाद गगन गुप्ता के अनुसार उनकी जमीन की नपती होना था। नपती के लिए पहुंचे थे, उसकी दौरान हम पर हमला हो गया। बाद में स्पेशल डीजी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे उन्होंने ग्रामीणों को समझाइश दी तब जाकर मामला ठंडा पड़ा।

जमीन के बंदोबस्त में गड़बड़ी

पुलिस के अनुसार जमीन के बंदोबस्त में गड़बड़ी के कारण यह विवाद की स्थिति बनी है। जिस किसान की यह जमीन है उसके भाई ने बिना बताए उसके कब्जे वाली जमीन बेच दी। इसका पूरा मामला पहले ही एसडीएम कार्यालय में चल रहा है।

डीजी की गाड़ी में जमकर पत्थरबाजी

बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि डीजी के दामाद ने पुलिस का दुरुपयोग किया, इस बात को लेकर ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया। वहां मौजूद एक पुलिसकर्मी डीजी की गाड़ी में लगी नेम प्लेट को ढंकने पहुंचा तो ग्रामीणों ने फिर से नेम प्लेट से कवर को हटाकर नारेबाजी शुरू कर दी। जैसे ही विवाद बढ़ा तो ग्रामीणों के साथ कई महिलाएं हाथ में हंसिया लेकर पहुंच गई। वहां धक्का-मुक्की शुरू हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने डीजी की गाड़ी में जमकर पत्थरबाजी भी की। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने गाड़ी बढ़ाने की कोशिश की तो ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया वहीं डीजी सिंह के दामाद गगन गुप्ता ने बताया कि पटवारी अजय के भड़कने पर विवाद बढ़ा है। उनके अनुसार वर्ष 2023 में उन्होंने यह जमीन खरीदी थी, जिसका नामांतरण भी मेरे नाम है और सभी दस्तावेज मेरे नाम है। अब विक्रेता का परिवार से जमीन को लेकर क्या विवाद है, हमें इस बात की जानकारी नहीं है। हालांकि विवाद के बाद पूरी टीम वापस लौट गई।

हेयर रिमूवर, शैम्पू और सलाद...महिला कैदियों को नए साल में मिलेगी सौगात

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश की महिला कैदियों को नए साल से हर महीने हेयर रिमूवर क्रीम और हफ्ते में एक बार शैम्पू मिलेगा। यह सुविधा 1 जनवरी, 2025 से शुरू होगी। इसका मकसद महिला कैदियों की साफ-सफाई का ध्यान रखना है। साथ ही, राज्य के सभी कैदियों को अब खाने के साथ सलाद मिलेगा। चाय, दूध, तेल और दाल की मात्रा भी थोड़ी बढ़ाई जाएगी। ये बदलाव एमपी करेक्शनल सर्विसेज एंड प्रिजन्स एक्ट 2024 के तहत हो रहे हैं। यह कानून 2 अक्टूबर, गांधी जयंती से लागू होना था लेकिन कुछ जरूरी चीजें छूटने के कारण इसमें देरी हुई। स्वास्थ्य और साफ-सफाई के अलावा, जेलों में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने और भीड़भाड़ कम करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। एमपी की जेलों में क्षमता 36,000 की है लेकिन 43,000 कैदी हैं। इनमें से लगभग 1,900 महिलाएं हैं।

जेलकर्मियों को मिलेगी ट्रेनिंग

नए कानून में एक अहम बात ह्यअपराधी के मन को समझना और बदलनाह्न है। जेल कर्मचारियों को अपराधी को बेहतर तरीके से समझने और उनके साथ व्यवहार करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। नए राज्य जेल कानूनों के लिए केंद्र सरकार के मॉडल प्रिजन्स एक्ट 2023 को आधार बनाया गया है। सेंट्रल प्रिजन या डिस्ट्रिक्ट प्रिजन के साथ करेक्शनल इंस्टीट्यूशन शब्द भी जोड़ा जाएगा। टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है। प्रशासनिक कामों को डिजिटल किया जाएगा। डेटाबेस को केंद्र सरकार के कम्प्यूटरीकृत सिस्टम से जोड़ा जाएगा। सरकार केंद्रीय सिस्टम के साथ जानकारी साझा करने के लिए इंटरफेस भी विकसित करेगी।

जेलर लेंगे तलाशी

जेल अधीक्षक तलाशी लेंगे और समय-समय पर छापेमारी करेंगे। इससे मोबाइल फोन और प्रतिबंधित सामान बरामद किया जा सकेगा। जेलों में, खासकर हाई-रिस्क कैदियों वाले हिस्सों में, एडवांस्ड जैमिंग उपकरण लगाए जाएंगे। जेल अस्पतालों की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। राज्य सरकार जेलों के ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए प्रिजन एंड करेक्शनल इंस्टीट्यूशन डेवलपमेंट बोर्ड बनाएगी। यह बोर्ड जेलों में सुधार के काम की देखरेख करेगा।

20 सीनियर आईएएस अफसरों की 2025 में होगी विदाई

भोपाल। साल 2025 में 20 सीनियर आईएएस अफसर सेवानिवृत्त होंगे। 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों में मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी मो. सुलेमान, जेएन कंसोटिया, एसएन मिश्रा, अजीत केसरी और विनोद कुमार शामिल है। इसके अलावा फील्ड पोस्टिंग वाले अधिकारियों में सागर आयुक्त वीरेंद्र कुमार रावत, जबलपुर आयुक्त अभय कुमार वर्मा, दतिया कलेक्टर संदीप कुमार माकिन के नाम शामिल है। इसके अलावा कमिश्नर निशक्तजन डॉ. रामराव भोंसले, जनगणना निदेशालय एमपी भावना वालिम्बे और माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव केडी त्रिपाठी भी 2025 में सेवानिवृत्त होंगे।

इन अधिकारियों का होगा प्रमोशन

इन अधिकारियों के रिटायरमेंट के बाद नए अधिकारियों को एसीएस और मुख्य सचिव स्तर पर प्रमोशन का मौका मिलेगा। मौजूदा एसीएस डॉ. राजेश राजौरा, 2026 तक सबसे वरिष्ठ अधिकारी होंगे और मई 2027 में रिटायर होंगे। प्रदेश के कई एसीएस और पीएस स्तर के अधिकारी दिल्ली में पदस्थ है। इनमें नीलम शमी राव, वीएल कांताराव, आशीष श्रीवास्तव, पंकज अग्रवाल, अलका उपाध्याय, मनोज गोविल, पल्लवी जैन गोविल, अनिरुद्ध मुखर्जी, दीप्ति गौड़ मुखर्जी, विवेक अग्रवाल, हरिरंजन राव के नाम शामिल है। वहीं, प्रदेश के कई वरिष्ठ अधिकारियों के सेवानिवृत्त होने के बाद कई अधिकारियों को मुख्य सचिव स्तर के वेतानमान में प्रमोशन मिलेगा। इसमें संजय कुमार शुक्ला, रश्मि अरुण शमी, मनीष रस्तोगी, दीपाली रस्तोगी, शिवशेखर शुक्ला और सचिन सिन्हा शामिल हैं।

जाने कौन किस माह होगा सेवानिवृत्त

जनवरी - एसएन मिश्रा, डॉ. आरआर भेंसले, अक्षय सिंह। फरवरी- अजीत केसरी, ओपी श्रीवास्तव। अप्रैल- अभय कुमार वर्मा, शैलबाला मार्टिन। मई- विनोद कुमार, संदीप माकिन। जून- वीरेंद्र सिंह रावत, अशोक कुमार चौहान। जुलाई- मो. सुलमोन, राजेश कुमार कौल, संजय गुप्ता, केडी त्रिपाठी। अगस्त- अनुराग जैन, जेएन कंसोटिया। सितंबर- भावना वालिम्बे। अक्टूबर- नियाज खान।

सौरभ शर्मा ने अपने नजदीकियों के साथ ही किया था धोखा...

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश में हुई देश की सबसे बड़ी सोने की जब्ती मामले की गूंज पूरे देश में हैं। परिवहन विभाग के पूर्व कॉन्स्टेबल के पास करोड़ों रुपये नकदी, 54 किलो सोना, कई क्विंटल चांदी मिलने की खबर से हड़कंप मचा है। ऐसे में हर किसी के मन में यह सवाल खड़े हो रहे हैं कि वर्ष 2021 में नौकरी छोड़ने वाला सौरभ शर्मा का 3 साल बाद इतने माल एक साथ कैसे पकड़ में आ गया है। इसका जवाब है तो इसका जवाब है सौरभ ने अपने नजदीकियों के साथ ही धोखा कर दिया था। ऐसे में इन करीबियों ने ही बदला लेने के लिए सौरभ की शिकायत लोकायुक्त में कर दी थी। शिकायत के पहले मामले की शुरूआत पेट्रोल पंपों को लेकर हुई। कालेधन के मालिक सौरभ के भोपाल और औबेदुल्लागंज में पेट्रोल पंप हैं। कुछ दिनों पहले एक पेट्रोल पंप के विक्रेता से सौरभ का विवाद हुआ था। लेकिन, उस समय अपने पावर का इस्तेमाल करके उसे पटखनी दे दी। बाद में सौरभ अपने दो पार्टनर से भी अलग हो गया। इस बात की कसक उसके पार्टनर के मन में बनी रही। सबक सिखाने के लिए सौरभ के दो करीबियों ने पेट्रोल पंप विक्रेता को मोहरा बनाया और उसके माध्यम से आरटीओ कॉन्स्टेबल की काली कमाई की शिकायत लोकायुक्त में करी दी। सटीक मुखबिरी कर उसके घर और ऑफिस से 2.95 करोड़ रुपए कैश, 235 किलो चांदी सहित 7.98 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त करवा दी। बताया जा रहा है कि मेंडोरी के जंगल में स्थित जिस फॉर्म हाउस में करीब 54 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए नकद भरी कार मिली है, उस फॉर्म हाउस का मालिक सौरभ का करीबी रिश्तेदार है।

भाजपा विधायक प्रीतम लोधी बोले- सौरभ शर्मा का कराएं डीएनए टेस्ट

भोपाल। शिवपुरी की पिछोर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी अपने बयानों से चर्चा में रहते हैं। इस बार उन्होंने परिवहन विभाग के पूर्व सिपाही सौरभ शर्मा के घर छापे में मिली अवैध संपत्ति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में पकड़ाया कुबेर का खजाना हमारे पिछोर से पूर्व विधायक का है। उन्होंने सौरभ शर्मा की मां को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए है। विधायक लोधी ने बिना नाम लिए कांग्रेस के पूर्व विधायक केपी सिंह पर बडा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सौरभ शर्मा के घर मिली काली कमाई पिछोर के पूर्व विधायक से जुड़ी हुई है। लोधी ने कहा कि यह पैसा पिछोर क्षेत्र में अवैध खनन कर रेत, पत्थर, तेंदूपत्ता और शराब के कारोबार का पूरा पैसा साफ कर दिया। पूर्व विधायक ने पिछोर का सारा खजाना खाली कर दिया। उन्होंने कहा कि सौरभ शर्मा के पास जो पैसा पकड़ा जा रहा है, वह पिछोर के पूर्व विधायक का है। क्योंकि सौरभ शर्मा की मां उनकी दूसरी पत्नी है। लोधी ने कहा कि जैसे ही उमा इनके संपर्क में आई, वैसे ही इनके घर में खटपट शुरू हो गई। सौरभ शर्मा पूर्व विधायक के दत्तक पुत्र हैं। विधायक ने शासन-प्राशासन से डीएनए टेस्ट कराने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि अगर सौरभ शर्मा का डीएनए टेस्ट कराया जाए तो इस पूरे मामले का सच सामने आ जाएगा। उनका कहना था कि यह जांच करने से यह भी स्पष्ट होगा कि सौरभ की भर्ती में किसका हाथ था और यह सारी संपत्ति किसकी कमाई है।

बढ़ी फीस को लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री के खिलाफ पालक महासंघ ने दिया धरना

भोपाल। सरकारी टीचरों को लेकर बड़ा बयान देने वाले मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के खिलाफ अभिभावकों ने मोर्चा खोल दिया है। रविवार को भोपाल में अभिभावकों ने बढ़ी हुई फीस के विरोध में प्रदर्शन किया। पालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल विश्वकर्मा ने बताया, भोपाल जिलाध्यक्ष अतुल शर्मा के नेतृत्व में धरना - प्रदर्शन हुआ है। इस तरह के प्रदर्शन सभी जिलों में होंगे और राज्यपाल-मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगेंगे। हमें शक है कि मंत्री अभिभावकों के हितों में कोई भी कार्य नहीं कर सकते हैं। पालक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष विश्वकर्मा ने कहा, प्रदेश के 15 हजार प्राइवेट स्कूलों ने अपना लेखा-जोखा पोर्टल में नहीं दिया है। इससे फीस समेत लेन-देन से जुड़ा रिकॉर्ड सामने नहीं आया। इसी बीच सरकार ने फीस रेगुलेशन ऐक्ट में संशोधन कर दिया। यानी, स्कूल संचालकों को और छूट दे दी गई। हमने जबलपुर में फीस वृद्धि को लेकर शिकायत की थी। इस पर वहां के कलेक्टर ने स्कूल संचालकों से अभिभावकों को 160 करोड़ रुपए वापस दिलाए। 11 स्कूल संचालकों को जेल भेज दिया। अगर ऐसी ही कार्रवाई अन्य जिलों में भी होती, तो सरकार और डेढ़ करोड़ अभिभावकों को अरबों रुपए मिल जाते।

तेज रफ्तार ट्रेन में महिला को होने लगी प्रसव पीड़ा, रेलवे स्टाफ ने दिखाई तत्परता

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। हैदराबाद से नई दिल्ली जा रही तेलंगाना एक्सप्रेस अपने पूरे वेग से दौड़ रही थी। भोपाल के नजदीक ओबेदुल्लागंज स्टेशन के करीब एक गर्भवती महिला के पेट में तेज दर्द उठ गया। महिला दर्द से कराहने लगी। साथ में सफर कर रहा पति भी घबरा गया। इसके बाद किसी ने रेलवे रनिंग स्टाफ तक सूचना पहुंचाई। ट्रेन के भोपाल पहुंचते ही महिला को उतारा गया और स्टेशन पर बने इमरजेंसी मेडिकल रूम ले जाया गया। बाद में उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां महिला की जान बच गई। रेलवे के अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार देर रात ट्रेन नंबर 12723 तेलंगाना एक्सप्रेस नई दिल्ली जा रही थी। उसके एसी कोच बी5 में 27 वर्षीय गर्भवती महिला शिवा अपने पति अंजार अहमद के साथ सफर कर रही थी। रात में औबेदुल्लागंज स्टेशन के पास उसे अचानक तेज प्रसव पीड़ा हुई। शिवा की जान को गंभीर खतरा हो गया। इसके कारण वहां मौजूद लोगों में खलबली मच गई।

वाणिज्य कंट्रोल ने तुरंत दी जानकारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे के वाणिज्य कंट्रोल ने तुरंत एसएस कमर्शियल अशोक नागर को इसकी जानकारी दी। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 स्थित इमरजेंसी मेडिकल रूम को इसकी सूचना दी। जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर पहुंची, हेड टीसी महेंद्र सिंह राजपूत और इमरजेंसी मेडिकल रूम की टीम महिला को मेडिकल रूम में लेकर गई। वहां मेडिकल की टीम डॉ. अमन मिश्रा और एक महिला कंपाउंडर शामिल पहले ही तैयार थी। वे लोग स्ट्रेचर के साथ पहले से ही तैयार थे। वहां महिला को प्राथमिक उपचार दिया गया। इसे बाद बिना समय गंवाए अस्पताल पहुंचाया गया।

शुरू किया गया है इमरजेंसी मेडिकल रूम

मामला बेहद संवेदनशील था, लेकिन मेडिकल टीम की कार्रवाई से महिला की जान बचाई जा सकी। आपको बता दें कि भोपाल रेलवे स्टेशन पर इमरजेंसी मेडिकल रूम बनाया गया है। इस इमरजेंसी मेडिकल रूम को 24 दिसंबर से ही शुरू किया गया है। ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों की गंभीर परिस्थितियों को से बचाने के लिये यह कारगर सातिब हो रहा हे।

सम्पादकीय

'केन-बेतवा' अन्य नदी परियोजनाओं के लिए जमीन करेगी तैयार

यदि केन-बेतवा जैसी महत्वाकांक्षी योजना सिरे चढ़ती है तो अन्य नदी जोड़ो परियोजनाओं के लिये भी नई जमीन तैयार हो सकेगी। इससे पहले कुछ दिन पूर्व जयपुर में पार्वती-काली सिंध व चंबल नदी लिंक परियोजना के लिये त्रिपक्षीय समझौते के सिरे चढ़ने को इस कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है। भविष्य में जल संकट से निबटने में ये परियोजनाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

भारत प्राकृतिक विविधता वाला देश है। एक ही समय में कहीं गर्मी होती है, तो कहीं बर्फ जमता है। कहीं अथाह जलराशि से बाढ़ आ जाती है, तो कहीं सूखा पड़ता है। कहीं पानी का भंडार है, तो कहीं सिंचाई के अभाव में खेत सूखे पड़े हैं। कृषि उत्पादकता, आर्थिक अस्थिरता, आर्थिक-सामाजिक असमानता, पलायन जैसी समस्याओं का मुख्य कारण पानी की कमी ही है। नदी-जोड़ने की अवधारणा इस समस्या का हल है।

यह सुखद ही है कि जिन अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में बढ़ते जल संकट के समाधान के रूप में मेगा नदी जोड़ परियोजनाओं की कल्पना की गई थी, उनकी जन्मशती के अवसर पर उस सपने को साकार करने का सार्थक प्रयास शुरू हुआ है। लेकिन यह विडंबना ही है कि इस तरह की पहली परियोजना केन-बेतवा-लिंक परियोजना को सिरे चढ़ाने की दिशा में शुरुआत करने में चार दशक लग गए। निस्संदेह, यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन विलंब से काम शुरू होने से इसकी लागत में भी अच्छा-खासा इजाफा हो चुका है। निस्संदेह, ऐसे देश में जहां विश्व की अट्ठारह फीसदी आबादी रहती हो और दुनिया का सिर्फ चार फीसदी पीने का पानी उपलब्ध हो, भविष्य के जलसंकट का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। शिलान्यास कार्यक्रम के वक्त प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी कि जल सुरक्षा 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, नदी जोड़ो परियोजना के प्रति सरकार के दृढ़ संकल्प की ओर संकेत देती है। निर्विवाद रूप से जलाशयों और नहरों के माध्यम से पानी के अधिशेष को जल संकट वाले इलाके की नदियों को स्थानांतरित करना, निश्चय ही सूखे की मार झेल रहे इलाकों का भाग्य बदलने जैसा ही है। लेकिन यह भी जरूरी है कि पर्यावरणीय जोखिमों का वैज्ञानिक ढंग से आकलन किया जाए। पर्यावरण वैज्ञानिक व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवी संगठन प्रकृति के साथ खिलवाड़ की चिंताएं लगातार जताते रहते हैं। उनका मानना रहा है कि नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा पहुंचने से पारिस्थितिकीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। निस्संदेह, पर्यावरणीय संतुलन जरूरी है लेकिन जल संकट का समाधान निकालना भी उतना ही जरूरी है। दरअसल, राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी ने 168 बिलियन डॉलर के प्रस्तावित बजट वाली हिमालयी और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों के लिये तीस लिंक परियोजनाओं की पहचान की है। निश्चित रूप से पानी के समुचित वितरण, बाढ़ नियंत्रण, सूखे से मुकाबले और जलविद्युत उत्पादन में अधिक समानता के लिये ऐसी परियोजना की तार्किकता साबित होती है। इसके बावजूद पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान देने की भी सख्त जरूरत है। शोध अध्ययनों में दावा किया गया है कि हाइड्रो-लिंकिंग परियोजनाएं मानसून के चक्र में बदलाव ला सकती हैं। साथ ही परेशानी करने वाली जटिल जल-मौसम विज्ञान प्रणालियां विकसित हो सकती हैं। ऐसे में संभावित पारिस्थितिकीय क्षति की आशंका से इनकार भी नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, इस दिशा में आगे चलकर व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी हो जाता है। परियोजनाओं को क्रियान्वित करने वाले नीति-नियंताओं को फिर से परियोजना को तैयार करने पर संभवित प्रतिक्रिया का विश्लेषण करने के लिये तैयार रहना चाहिए। केन-बेतवा परियोजना के जरिये जटिल पर्यावरणीय पैटर्न का समाधान प्रदान करने के लिये विज्ञान सम्मत पहल होनी चाहिए। इसके लाभ व हानि के पक्ष का मंथन भी जरूरी है। यह विडंबना ही है कि आज भी जल संरक्षण के लिये सामूहिक पहल सार्वजनिक नीति में एक गायब कड़ी बनी हुई है। ऐसे में बड़े पैमाने पर बड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के साथ-साथ,सरकार को कुशल सिंचाई परियोजनाओं, अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और प्रदूषित पानी की स्वच्छता के लिये सस्ती प्रौद्योगिकियों के विकास पर अनुसंधान में तेजी लाने की जरूरत है। साथ ही पर्याप्त वित्तीय समर्थन की भी जरूरत है। बताया जा रहा है कि केन-बेतवा योजना के सिरे चढ़ने से मध्यप्रदेश की आठ लाख हेक्टेयर से अधिक व उत्तरप्रदेश की ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। जल शक्ति मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार करीब बासठ लाख लोगों को पेयजल की अनवरत आपूर्ति हो सकेगी। इसके अलावा जलविद्युत परियोजना के जरिये 103 मेगावाट बिजली तथा 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन प्रस्तावित है। निस्संदेह, यदि केन-बेतवा जैसी महत्वाकांक्षी योजना सिरे चढ़ती है तो अन्य नदी जोड़ो परियोजनाओं के लिये भी नई जमीन तैयार हो सकेगी। इससे पहले कुछ दिन पूर्व जयपुर में पार्वती-काली सिंध व चंबल नदी लिंक परियोजना के लिये त्रिपक्षीय समझौते के सिरे चढ़ने को इस कड़ी का विस्तार कहा जा सकता है।

हर नया साल, नई उम्मीद, नए संकल्प और नए अवसर

नए साल की दस्तक के साथ, हम हर दिन को एक नए अवसर के रूप में अपनाते हैं, जो हमें न केवल अपनी खुशियों को संजोने बल्कि अपनी जिंदगी को और बेहतर बनाने की प्रेरणा भी देता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की पूर्व संध्या 31 दिसंबर को पड़ती है और जश्न 1 जनवरी के शुरूआती घंटों तक जारी रहता है। माना जाता है कि ऐसे खाद्य पदार्थ और नाश्ते जो सौभाग्य लाते हैं, मौज-मस्ती करने वालों द्वारा खाए जाते हैं। दुनिया भर में लोग गीत गाने और आतिशबाजी देखने जैसे रीति-रिवाजों के साथ जश्न मनाते हैं।

हम नए साल की दहलीज पर खड़े हैं। हमारे लिए हर दिन नया है, हर साल नया है और हर नया साल एक नई उम्मीद, नया संकल्प और नए अवसर लेकर आता है। यह वह समय होता है जब हम अपने अतीत को पीछे छोड़कर भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हैं। यह न केवल समय की एक और परिभाषा है, बल्कि हमारे भीतर छुपे उन अनगिनत संभावनाओं और सपनों की शुरूआत भी है, जिन्हें हम अब साकार करने का दृढ़ संकल्प लेते हैं। नए साल की दस्तक के साथ, हम हर दिन को एक नए अवसर के रूप में अपनाते हैं, जो हमें न केवल अपनी खुशियों को संजोने बल्कि अपनी जिंदगी को और बेहतर बनाने की प्रेरणा भी देता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की पूर्व संध्या 31 दिसंबर को पड़ती है और जश्न 1 जनवरी के शुरूआती घंटों तक जारी रहता है। माना जाता है कि ऐसे खाद्य पदार्थ और नाश्ते जो सौभाग्य लाते हैं, मौज-मस्ती करने वालों द्वारा खाए जाते हैं। दुनिया भर में लोग गीत गाने और आतिशबाजी देखने जैसे रीति-रिवाजों के साथ जश्न मनाते हैं। चूंकि नया साल अच्छे बदलाव का एक बड़ा अवसर है, इसलिए कई लोग आने वाले वर्ष के लिए अपने संकल्प लिखते हैं।

विश्व में सर्वाधिक प्रचलित ग्रगोरियन कैलेंडर के इतिहास में जाए तो 1 जनवरी को पहली बार 45 ईसा पूर्व में नए साल की शुरूआत के रूप में मनाया गया था। इससे पहले, रोमन कैलेंडर मार्च में शुरू होता था और 355 दिनों तक चलता था। सत्ता में आने के बाद रोमन तानाशाह जूलियस सीजर ने कैलेंडर बदल दिया। महीने के नाम के सम्मान में शुरुआत के रोमन देवता जानूस, जिनके दो चेहरे उन्हें भविष्य में आगे और साथ ही अतीत में पीछे देखने की अनुमति देते थे, ने 1 जनवरी को वर्ष का पहला दिन बनाया। हालांकि, 16वीं शताब्दी के मध्य तक इसे यूरोप में व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया गया था।

ईसाई धर्म की शुरुआत के बाद, 25 दिसंबर, यीशु के जन्म का दिन, स्वीकार किया गया और 1 जनवरी नए साल की शुरूआत को विधर्मी माना गया। जब तक पोप ग्रेगोरी ने जूलियन कैलेंडर को बदलकर 1 जनवरी को वर्ष की आधिकारिक शुरूआत नहीं कर दी तब तक इसे स्वीकार नहीं किया गया। इसके अलावा ऐसा माना जाता है कि नया साल लगभग 2,000 ईसा पूर्व या 4,000 साल पहले, प्राचीन बेबीलोन में शुरू हुआ था। बसंत विषुव के बाद पहली अमावस्या पर आमतौर पर मार्च के अंत में, बेबीलोनियों ने नए साल को 11-दिवसीय उत्सव अकितु के साथ मनाया, जिसमें प्रत्येक दिन एक अलग समारोह शामिल था। दरअसल, ग्रेगोरियन कैलेंडर ने वर्ष की लंबाई को सही करके पहले इस्तेमाल किए गए जूलियन कैलेंडर में अशुद्धियों को संशोधित किया गया। इसने लीप वर्षों के लिए अधिक सटीक प्रणाली शुरू की, जिससे समय की गणना में त्रुटि की संभावना कम हो गई। ग्रगोरियन कैलेंडर का उद्देश्य कैलेंडर वर्ष को सौर वर्ष के साथ अधिक निकटता से सिंक्रोनाइज करना था। जिससे यह सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की कक्षा को ट्रैक करने में अधिक सटीक हो सके। इसकी शुरूआत कैथोलिक चर्च के प्राधिकार द्वारा समर्थित थी जिसका उस समय यूरोप में महत्वपूर्ण प्रभाव था।

शुरुआत में कैथोलिक देशों द्वारा और बाद में अन्य देशों द्वारा इसे अपनाने से इसकी व्यापक स्वीकृति में योगदान मिला। जैसे-जैसे यूरोपीय देशों ने अन्वेषण और उपनिवेशीकरण के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार किया, ग्रेगोरियन कैलेंडर दुनिया भर में फैलता गया, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, कूटनीति और संचार के लिए मानक कैलेंडर बन गया। माना जाता है कि 16वीं और 17वीं शताब्दी के दौरान यूरोप के वैज्ञानिक और सांस्कृतिक प्रभुत्व ने भी ग्रेगोरियन कैलेंडर की वैश्विक स्वीकृति में योगदान दिया।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में वर्ष भर में कई दिन नव वर्ष दिवस के रूप में मनाए जाते हैं। पालन इस बात से निर्धारित होता है कि चंद्र, सौर या चंद्र-सौर कैलेंडर का पालन किया जा रहा है या नहीं। वे क्षेत्र जो सौर कैलेंडर का पालन करते हैं। नया साल पंजाब में बैसाखी, असम में बोहाग बिहू, तमिलनाडु में पुथंडु, केरल में विशु, ओडिशा में पना संक्रांति या ओडिया नबाबरसा और बंगाल में पोइला बोइशाख के रूप में आता है। यानी वैशाख, आम तौर पर यह दिन अप्रैल महीने की 14 या 15 तारीख को पड़ता है।

चंद्र कैलेंडर का पालन करने वाले लोग चैत्र महीने (मार्च -अप्रैल के अनुरूप) को वर्ष का पहला महीना मानते हैं। इसलिए आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक में उगादी और गुढ़ी पड़वा की तरह इस महीने के पहले दिन नया साल मनाया जाता है। महाराष्ट्र। इसी प्रकार, भारत में कुछ क्षेत्र लगातार संक्रांतियों के बीच की अवधि को एक महीना मानते हैं और कुछ अन्य लगातार पूर्णिमाओं के बीच की अवधि को एक महीना मानते हैं। गुजरात में नया साल दिवाली के अगले दिन के रूप में मनाया जाता है।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, यह हिंदू महीने कार्तिक के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को पड़ता है। चंद्र चक्र पर आधारित भारतीय कैलेंडर के अनुसार, कार्तिक वर्ष का पहला महीना है और गुजरात में नया साल कार्तिक (एकम) के पहले उज्ज्वल दिन पर पड़ता है। भारत के अन्य हिस्सों में, नए साल का जश्न वसंत ऋतु में शुरू होता है।

प्राचीन भरतीय पंचांग के महत्व को देखते हुए भारत सरकार ने वरिष्ठ भारतीय खगोल वैज्ञानिक मेघनाद साहा की अध्यक्षता में बनी पंचांग सुधार समिति की सिफारिश पर 22 मार्च 1957 को ग्रोगोरियन के साथ ही राष्ट्रीय कैलेंडर भी जारी कर दिया जिसमें अन्य खगोलीय डेटा के साथ-साथ हिंदू धार्मिक कैलेंडर तैयार करने के लिए समय और सूत्र भी शामिल थे, ताकि इसे सुसंगत बनाया जा सके।

दरअसल पंचांग कमेटी के अध्यक्ष वरिष्ठ भारतीय खगोल वैज्ञानिक मेघनाद साहा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में कैलेंडर सुधार समिति के प्रमुख थे। समिति के अन्य सदस्य ए.सी. बनर्जी, के.के. दफ्तरी, जे.एस. करंदीकर, गोरख प्रसाद, आर.वी. वैद्य और एन.सी. लाहिरी थे।

समिति के सामने कार्य वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित एक सटीक कैलेंडर तैयार करना था, जिसे पूरे भारत में समान रूप से अपनाया जा सके। यह एक बहुत बड़ा काम था। समिति को देश के विभिन्न हिस्सों में प्रचलित विभिन्न कैलेंडरों का विस्तृत अध्ययन करना था। समिति के समक्ष तीस अलग-अलग कैलेंडर थे। यह कार्य इस तथ्य से और भी जटिल हो गया था कि कैलेंडर के साथ धर्म और स्थानीय भावनाएँ भी जुड़ी हुई थीं।

भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1955 में प्रकाशित समिति की रिपोर्ट की प्रस्तावना में लिखा था कि वे (विभिन्न कैलेंडर) देश में पिछले राजनीतिक विभाजनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अब जब हमने स्वतंत्रता प्राप्त कर ली है, तो यह स्पष्ट रूप से वांछनीय है हमारे नागरिक, सामाजिक और अन्य उद्देश्यों के लिए कैलेंडर में एक निश्चित एकरूपता होनी चाहिए और यह इस समस्या के वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर किया जाना चाहिए।

आधिकारिक तौर पर उपयोग में चैत्र 1, 1879 शक संवत, या 22 मार्च, 1957 को शुरू हुआ। हालांकि, सरकारी अधिकारी धार्मिक कैलेंडर के पक्ष में इस कैलेंडर के नए साल के दिन को काफी हद तक नजरअंदाज करते हैं।

2024 की वे घटनाएं, जो देश-दुनिया के लिए बन गईं इतिहास

साल 2024 समाप्त होने वाला है। नए साल में भले ही काफी कुछ नया होने वाला हो, लेकिन पूरी दुनिया के लिए साल 2024 काफी महत्वपूर्ण रहा। सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में इस साल कई बड़ी घटनाएं हुईं, जो इतिहास में याद रखी जाएंगी। चाहें बात अयोध्या में राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा की हो, या फिर लेबनान में हुए पेजर अटैक की। आज हम आपको 2024 में देश-दुनिया में घटी उन घटनाओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने इतिहास रच दिया।

राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा

2019 में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में लंबे वक्त से चला आ रहा राम जन्मभूमि-बाबरी विवाद समाप्त हो गया। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हो गया और 22 जनवरी 2024 को मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा कर दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके मुख्य यजमान बने। कार्यक्रम में देश-दुनिया की सभी दिग्गज हस्तियों को बुलाया गया है। इस ऐतिहासिक पल का भारत साक्षी बना था। अब प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप की वापसी

2024 में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव हुए। डोनाल्ड ट्रंप ने इस चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इलेक्टोरल कॉलेज में ट्रंप को 295 और कमला हैरिस को 226 वोट मिले। 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। 2020 की तुलना में भी ट्रंप ने युवाओं के बीच भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। इनकम टैक्स कम करने का एलान और इमीग्रेशन का मुद्दा ट्रंप की जीत के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ।

अयोध्या में भाजपा की हार

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे 4 जून को घोषित हुए थे। 400 पार का नारा देने वाली भाजपा इस बार महज 240 सीटें ही जीत पाई। उत्तर प्रदेश में भाजपा को 80 में से केवल 37 सीटें मिलीं। 2 सीटें उसके सहयोगी दल रालोद और 1 सीट अपना दल को मिली थीं। भाजपा के लिए सबसे निराश करने वाला नतीजा अयोध्या में रहा। जिस अयोध्या में धूमधाम से राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई, वहीं की फैजाबाद लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को 50 हजार से ज्यादा वोटों से मात दे दी थी।

तिरुपति लड्डू विवाद

2024 में आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में प्रसाद के रूप में मिलने वाले लड्डू में मिलावट का मामला सामने आया। आरोप लगा कि प्रसाद को बनाने में जिस मिलावटी घी का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह जानवरों की चर्बी और फिश ऑयल से बना था। विवाद की जड़ें पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी तक पहुंचीं। टीडीपी सरकार ने जून 2024 में सीनियर आईएएस अधिकारी जे श्यामला राव को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम का नया एक्जीक्यूटिव ऑफिसर अपॉइंट किया था। उन्होंने ही प्रसाद की क्वालिटी जांच के आदेश दिए थे।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज

अगस्त 2024 में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या का मामला सामने आया था। घटना के आरोपी संजय रॉय को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। वहीं कॉलेज के तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप घोष पर भी शिकंजा कसा गया था। घटना के बाद से ही कोलकाता समेत पूरे पश्चिम बंगाल में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए। कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। 11 नवंबर से इस मामले में ट्रायल शुरू हो गया है।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन

1971 में बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने वाले लोगों को सरकारी नौकरियों में 30 फीसदी का कोटा दिया जाता था। इसी के विरोध में बांग्लादेश में छात्रों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया था। धीरे-धीरे ये प्रदर्शन हिंसक झड़प में बदल गया।

अंततः शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। हसीना ने भारत में शरण ली। उधर बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी। माना जा रहा है कि साल 2025 के अंत या 2026 की शुरूआत में बांग्लादेश में फिर से चुनाव कराए जा सकते हैं।

सीरिया में तख्तापलट

सीरिया लंबे वक्त से गृह युद्ध से जूझ रहा था। राष्ट्रपति बशर अल असद के खिलाफ कई गुट सीरिया में लड़ाई लड़ रहे थे। 27 नवंबर विद्रोही गुट ने शहरों पर कब्जा करना शुरू किया और अपनी पकड़ मजबूत की। इसके बाद मुख्य गुट हयात तहरीर अल-शाम (ऌळर) ने बशर अल असद को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया। असद के जाने के बाद दमिश्क और होम्स समेत सीरिया के कई शहरों में जश्न मनाया गया। सीरिया में असद परिवार पिछले 53 साल से शासन कर रहा था। विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने के लिए असद सरकार रूस और ईरान पर निर्भर थी। वहीं विद्रोही गुट को तुर्कीए का समर्थन था।

लेबनान पेजर ब्लास्ट अटैक

लेबनान में हिजबुल्लाह के लड़ाकों को मारने के लिए इजरायल ने पेजर को हथियार की तरह इस्तेमाल किया। इसमें बैटरी के पास विस्फोटक लगाया गया और फिर सही वक्त आने पर उसमें धमाका कर दिया गया। हिजबुल्लाह के लड़ाके लंबे वक्त से इसका इस्तेमाल कर रहे थे, लेकिन उन्हें इसकी भनक तक नहीं लगी थी।

राहुल बने नेता प्रतिपक्ष

रायबरेली से सांसद और कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पहली बार लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष बने। करीब 10 साल बाद लोकसभा को नेता प्रतिपक्ष मिला है। बीते दो चुनावों में कांग्रेस के पास आवश्यक 10 फीसदी सीट शेयर नहीं था, ऐसे में पार्टी नेता प्रतिपक्ष के लिए दावा पेश नहीं कर पाई थी।

एचआईवी का इंजेक्शन

ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस यानी ऌकश् की वैक्सीन खोजने का रिकॉर्ड भी साल 2024 के खाते में दर्ज है। इस इंजेक्शन को लेनकापाविर नाम दिया गया है। फेज 3 के ट्रायल के दौरान इसे 96 फीसदी तक इफेक्टिव पाया गया।

नक्सल खौफ से बस्तर ओलंपिक तक बस्तर की प्रगति की एक कठिन पर प्रेरक यात्रा

राजीव खरे । सिटी चीफ।
जगदलपुर । बस्तर, जो कभी नक्सल खौफ और हिंसा का पर्याय था, आज बदलाव, खेल और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बन गया है। बस्तर ओलंपिक, अबूझमाड़ के ताइक्वांडो विजेता और कारी कश्यप जैसी प्रतिभाओं ने इस क्षेत्र को राष्ट्रीय पहचान दी है। पैरा-मिलिटरी बलों द्वारा खेलों को बढ़ावा देने और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने की कोशिशों ने क्षेत्र में शांति और प्रगति की एक नई लहर पैदा की है। बस्तर का इतिहास नक्सली हिंसा और विकास की कमी से जुड़ा रहा है। कभी गरीबी, अशिक्षा और प्रशासनिक उपेक्षा ने नक्सलियों को क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने का मौका दिया, और नक्सलियों ने दशकों तक स्थानीय आदिवासी समुदायों को हिंसा और शोषण का शिकार बनाया। स्कूल, सड़कों और अस्पतालों जैसे विकास कार्यों को बाधित किया। फिर सरकार ने सुरक्षा बलों और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर नक्सल प्रभाव को कमजोर किया, और विकास योजनाओं और शिक्षा के माध्यम से लोगों को मुख्यधारा से जोड़ा गया। अब बस्तर बदल रहा है कभी नक्सल हिंसा का पर्याय कहे जाने वाले बस्तर में बस्तर ओलंपिक का आयोजन इस क्षेत्र में शांति और सकारात्मक बदलाव का एक बड़ा उदाहरण है।बस्तर ओलंपिक का यह वार्षिक खेल उत्सव बस्तर के पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में इसमें 1.5 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।खो-खो, कबड्डी, गिल्ली-डंडा, तीरंदाजी और दौड़ जैसे खेलों के जरिए आदिवासी संस्कृति और समुदाय को इसमें जोड़ा गया। छत्तीसगढ़ के छोटे से गांव की रहने वाली कारी कश्यप ने तीरंदाजी में रजत पदक जीतकर न केवल बस्तर बल्कि पूरे देश को गर्व महसूस कराया। कारी ने बस्तर ओलंपिक में भाग लेकर अपने कौशल को निखारा और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि कारी ने बस्तर ओलंपिक के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने का अवसर पाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं मन की बात में बस्तर ओलंपिक की तारीफ करते हुए इसे शांति और विकास की दिशा में एक बड़ी पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने बस्तर को नक्सल खौफ से निकालकर खेल और विकास का प्रतीक बना दिया है। अबूझमाड़, जो कभी नक्सल गतिविधियों का केंद्र था, अब खेल के क्षेत्र में एक नई पहचान बना रहा है।नारायणपुर जिले के आदिवासी युवाओं ने मलखंब में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं। इन विजेताओं ने साबित किया कि सही मंच और मार्गदर्शन से किसी भी क्षेत्र में पहचान बनाई जा सकती है। बस्तर में शांति के साथ खेलों के विकास में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और अन्य सुरक्षा बलों का भी योगदान है। जिन्होंने क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण शिविर और प्रतियोगिताएं आयोजित कीं।आदिवासी युवाओं को खेल उपकरण, कोचिंग और अन्य संसाधन प्रदान किए गए, जिससे उनका आत्मविश्वास और प्रदर्शन बेहतर हुआ। खेल के ज़रिये बस्तर में शांति और विकास की इस यात्रा में एक तरफ़ न सिर्फ़ खेलों ने स्थानीय लोगों और प्रशासन के बीच विश्वास बहाल किया। युवाओं को हिंसा से दूर रखकर उन्हें विकास और शिक्षा की ओर प्रेरित किया, वहीं कारी कश्यप और ताइक्वांडो में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी ने क्षेत्र में महिलाओं के लिए नई संभावनाएं खोलीं। पारंपरिक खेलों और सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्जीवित किया और आदिवासी समुदायों में आत्मगौरव और उत्साह बढ़ा। कारी कश्यप और मलखंब विजेताओं ने बस्तर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई, और साबित किया कि खेल और शिक्षा नक्सल प्रभावित इलाकों में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। बस्तर ओलंपिक और अन्य खेल गतिविधियों ने क्षेत्र को नई पहचान दी, जिससे पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। बस्तर का सफर नक्सल खौफ से शांति और विकास तक प्रेरणादायक है। बस्तर ओलंपिक, कारी कश्यप की सफलता और अबूझमाड़ के मलखंब विजेताओं ने यह साबित कर दिया है कि जब युवाओं को सही अवसर और मंच दिया जाए, तो वे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी की सराहना तथा विष्णु देव सरकार के प्रयासों व सहयोग से बस्तर ने खेल और संस्कृति के माध्यम से न केवल खुद को बदला, बल्कि देशभर में एक मिसाल पेश की है। यह बदलाव दिखाता है कि हिंसा और शोषण के चक्र को तोड़कर, शांति और विकास की ओर बढ़ा जा सकता है। बस्तर अब सिर्फ संघर्ष की कहानी नहीं, बल्कि उम्मीद, खेल और सफलता की कहानी बन चुका है।

नदी जोड़ो परियोजना,जल संकट का समाधान या पर्यावरणीय चुनौती?

भारत, जो कृषि प्रधान देश है और जिसकी लगभग 60% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जल संकट का सामना कर रहा है। देश में विश्व की 18त्न आबादी रहती है, लेकिन उसके पास केवल 4% पीने योग्य जल संसाधन हैं। जल असमानता, सूखा और बाढ़ जैसी समस्याएं लंबे समय से देश को प्रभावित कर रही हैं। इन्हीं चुनौतियों के समाधान के लिए नदी जोड़ो परियोजना का विचार प्रस्तुत किया गया था। यह परिकल्पना पहली बार 1980 के दशक में राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी द्वारा की गई थी। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में इसे बढ़ावा मिला, और आज उनकी जन्मशती के अवसर पर इस विचार को धरातल पर लाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। इस लेख में केन-बेतवा लिंक परियोजना, नदी जोड़ो परियोजना के महत्व, लाभ, और चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। नदी जोड़ो परियोजना का उद्देश्य देश की जल असमानता को संतुलित करना और जल संसाधनों का प्रभावी प्रबंधन करना है।इस परियोजना के मुख्य उद्देश्यों में पानी की अधिशेष वाली नदियों से पानी की कमी वाली नदियों को जोड़ना, कृषि सिंचाई, पीने के पानी की आपूर्ति और जलविद्युत उत्पादन में सुधार हैं। इस परियोजना के 2 मुख्य घटक हैं, पहला हिमालयी नदियों का जोड़ एवं दूसरा प्रायद्वीपीय नदियों का जोड़। इस योजना के तहत 30 लिंक परियोजनाओं और 3000 जलाशयों का निर्माण प्रस्तावित है, जिसकी लागत लगभग 13440 बिलियन आंकी गई है। केन-बेतवा लिंक परियोजना इस विशाल योजना का पहला चरण है। यह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की नदियों, केन और बेतवा, को आपस में जोड़ने का प्रयास है। इसमें 221 किमी लंबी नहर का निर्माण किया जाएगा जिससे 6.35 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी, 62 लाख लोगों को पेयजल आपूर्ति होगी तथा 103 मेगावाट जलविद्युत और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकेगा । यह परियोजना सूखा प्रभावित बुंदेलखंड क्षेत्र में जल उपलब्धता सुनिश्चित करेगी, जिससे कृषि और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।जलाशयों और नहरों के माध्यम से जल संसाधनों का प्रबंधन किया जाएगा। पर इस परियोजना से पन्ना टाइगर रिजर्व के लगभग 4000 हेक्टेयर क्षेत्र में जैव विविधता को नुकसान पहुंच सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा आने से पारिस्थितिकी तंत्र असंतुलित हो सकता है।हजारों लोगों को विस्थापन का सामना करना पड़ेगा।एवं लगभग ?44,605 करोड़ की लागत इसे वित्तीय रूप से चुनौतीपूर्ण बनाती है।शोधकर्ताओं का यह भी मानना है कि हाइड्रो-लिंकिंग परियोजनाएं मानसून के चक्र को प्रभावित कर सकती हैं और जल-मौसम विज्ञान प्रणाली में जटिलता बढ़ा सकती हैं। बड़ी परियोजनाओं के साथ-साथ जल संरक्षण के छोटे और प्रभावी उपायों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है- जैसे कुशल सिंचाई प्रणाली- ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसे तकनीकों का उपयोग।अपशिष्ट जल प्रबंधन- गंदे पानी के पुनर्चक्रण और स्वच्छता पर अनुसंधान।स्थानीय समुदायों की भागीदारी- जल प्रबंधन में स्थानीय लोगों को शामिल करना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी कि जल सुरक्षा 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, इस दिशा में सरकार के दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। दुनिया के कई देशों ने इसी प्रकार की योजनाओं को लागू किया है। उदाहरणार्थ चीन की दक्षिण-उत्तर जल अंतरण परियोजना- जिसका लक्ष्य जल-समृद्ध दक्षिण से जल-कमी वाले उत्तर में पानी पहुंचाना था। हालाँकि इससे पेयजल संकट का समाधान हुआ लेकिन पर्यावरणीय क्षति और भारी लागत का दुष्प्रभाव झेलना पड़ा । अमेरिका की टेनेसी वैली अथॉरिटी- इस परियोजना का लक्ष्य बाढ़ नियंत्रण और जलविद्युत उत्पादन था। इससे क्षेत्रीय विकास तो हुआ लेकिन पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव भी देखा गया । अफ्रीका की ओवांबो नदी लिंक परियोजना- इससे सीमित सफलता ही मिली और तकनीकी समस्याएं भी आईं। इन अनुभवों से यह स्पष्ट होता है कि नदी जोड़ो परियोजनाओं को सफल बनाने के लिए सतत विकास और पर्यावरण संतुलन आवश्यक हैं।अत: यह कहना उचित होगा कि नदी जोड़ो परियोजना जल संकट से निपटने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। केन-बेतवा लिंक परियोजना जैसी योजनाएं भारत के सूखा प्रभावित क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो सकती हैं। हालांकि, इन योजनाओं के लाभों के साथ-साथ पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को समझना भी अनिवार्य है। यदि इन परियोजनाओं को सतत विकास और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के साथ क्रियान्वित किया जाए, तो यह न केवल जल संकट का समाधान होगा, बल्कि देश की जलवायु और आर्थिक स्थिरता में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। भारत को अपने जल संसाधनों के प्रबंधन के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग करना होगा ताकि यह महत्वाकांक्षी योजना देश के लिए वास्तव में लाभकारी साबित हो सके।

(राजीव खरे चीफ ब्यूरो छत्तीसगढ़)

दर्जीटोला के रितिक कटरे सीआरपीएफ में चयनित...

औलियाकन्हार फिजिकल क्लब की पहली उपलब्धि

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, दूरस्थ गांव में रहने वाले किसी युवा का जब किसी सरकारी नौकरी के लिए सिलेक्शन होता है तो ग्रामीण क्षेत्र में हर्ष की लहर व्याप्त हो जाती है। चयनित युवा ग्रामीण युवाओं का आइकन बन जाता है, और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाला चयनित युवा के नक्शेकदम पर चलकर सफलता प्राप्त करना चाहता है। चयनित युवा की ऐसी सफलता तब और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है जब उसके परिवार में कभी कोई सरकारी नौकरी में ना रहा हो और वह सरकारी नौकरी के लिए चुन लिया जाए। ऐसे ही युवा देश-प्रदेश और समाज के लिए आदर्श बनते है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है ग्राम पंचायत कामथी के दर्जीटोला के रहने वाले युवा रितिक कटरे ने। महज 22 वर्षीय रितिक का चयन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में हुआ है। रितिक की सफलता से उनके पैतृक गांव दर्जीटोला सहित औलियाकन्हार फिजिकल क्लब में भी हर्ष का माहौल व्याप्त है। उल्लेखनीय है कि वे औलियाकन्हार फिजिकल क्लब के नियमित प्रशिक्षणार्थी रहे है। क्लब के फिजिकल ट्रेनर शैलेन्द्र यादव की देखरेख में उन्होंने अपनी फिजिकल एवं ग्राउंड की तैयारी पूर्ण की थी। ग्रामीण युवाओं तक उनकी मेहनत की कहानी, संघर्ष और सफलता की गाथा पहुंचाने के लिए भव्य प्रदेश की टीम उनके गांव दर्जीटोला पहुंची और रितिक एवं उनके माता-पिता से चर्चा की। जानकारी प्राप्त हुई कि उनके पिताजी एक छोटे कृषक है और माताजी गृहिणी है।

काम्पीटीशन की तैयारी करने हेतु नहीं लिया कॉलेज में एडमिशन चयनित युवा रितिक कटरे ने बताया कि सीआरपीएफ में सिलेक्शन होने के बाद अब थोड़ा डर लग रहा है, कुछ लोग बताते है कि यह नौकरी बहुत कठिन होती है, कुछ लोग नौकरी छोड़कर भी आ जाते है। तैयारी के बारे में पूछे जाने पर रितिक ने कहा कि उन्होंने लालबर्रा स्थित श्रेष्ठ अकादमी में लगभग 3 वर्ष अध्ययन किया और औलियाकन्हार फिजिकल क्लब में ग्राउंड की तैयारी की है। रितिक ने बताया कि मेरे साथ अकादमी से एक अन्य सहपाठी बहन मासूम का भी सिलेक्शन हुआ है। रितिक ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजन, माता-पिता और अपने मामा-मामीजी को दिया है। रितिक ने कहा कि उन्होंने 12वीं तक की पढ़ाई परसवाड़ा से की थी, शुरु से ही सरकारी नौकरी में जाने का मन बनाया था, सो इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए 12वीं के पास परसवाड़ा छोड़कर काम्पीटीशन की तैयारी करने लालबर्रा धानेश्वर सर के यहां प्रवेश ले लिया। काम्पीटीशन की पढ़ाई में दिक्कत ना हो इसलिए महाविद्यालय में भी प्रवेश नहीं लिया अपितु भोज मुक्त विश्वविद्यालय से अपना ग्रेजुएशन पूर्ण किया।

बच्चों को मेहनत कराएं, उन पर पैसा खर्च करें चर्चा में रितिक के पिता गोवर्धन कटरे ने बताया कि उनके दो पुत्र है जिसमें रितिक छोटा है,बेटे के चयन पर उन्हें बहुत खुशी हुई है, जिन-जिन लोगों को पता चल रहा है कि वे हमें आकर बधाई दे रहे है,रिश्तेदारों के भी फोन आ रहे हैं,बहुत ही अच्छा लग रहा है। मैं अपने बेटे के सिलेक्शन हेतु तीन लोगों को श्रेय दूंगा जिसमें एक तो स्वयं रितिक जिसने मेहनत किया, दूसरा श्रेय उनके मामाजी को जिन्होंने उनका मार्गदर्शन किया और फिर सबसे ज्यादा इनके साथ जो लगे रहे डामेन्द्र धानेश्वर सर। मुझे खुशी है कि मेरे बेटे का सिलेक्शन फोर्स में हुआ है,वो देश-प्रदेश की सेवा करेगा। देशहित में वैसे भी आज के युवाओं को लगना चाहिए। रितिक की पढ़ाई के दौरान क्या समस्या आई यह पूछने पर श्री कटरे ने बताया कि बच्चों को पढ़ाने में बहुत मैनेज करना पड़ता है,हम सामान्य लोग है,फीस हेतु रुपए-पैसे की दिक्कत हमेशा बनी रहती है,ऐसे में बच्चों को पढ़ाई के दौरान तकलीफ ना हो,इसका ध्यान रखना बहुत जरुरी है। अभिभावकों के लिए संदेश देते हुए श्री कटरे ने कहा कि वे बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें, उन्हें अच्छी मेहनत कराएं, उन पर पैसा खर्च करें।

रितिक की प्रवृत्ति मेहनती है--बिसेन औलियाकन्हार फिजिकल क्लब के चेयरमैन ओमप्रकाश बिसेन जो कि रितिक कटरे के सगे मामा है,उन्होंने भी रितिक की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि औलियाकन्हार फिजिकल क्लब की स्थापना भी इसी उद्देश्य से की गई थी कि ग्राम-देहात में रहने वाले बालक-बालिकाओं को यहां पर बगैर किसी शुल्क के पुलिस एवं सेना की तैयारी हेतु शारीरिक प्रशिक्षण दिया जा सके। खुशी की बात है कि फिजिकल क्लब की पहली सफलता उनके अपने परिवार से ही रितिक के रुप में सामने आई है।उन्होंने रितिक की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि रितिक को फिजिकल की तैयारी क्लब के फिजिकल ट्रेनर शैलेन्द्र यादव सर ने करवाई है,रितिक एक मेहनती लड़का है जिसने कई महीनों तक मेहनत करके अपने शरीर को साधा और फिजिकल परीक्षा उत्तीर्ण की। श्री बिसेन ने ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं का आह्वान किया कि वे प्रतिदिन सुबह-शाम फिजिकल क्लब आकर अपनी अपनी तैयारी का लेवल बढ़ाएं, यहां पर प्रैक्टिस हेतु कोई शुल्क नहीं देना होता है, अपितु अब तो क्लब में प्रशिक्षणार्थियों हेतु कुछ अतिरिक्त सुविधाएं भी बढ़ाई जा रही है।

देश की सीमाओं की रक्षा करेंगी पाथरशाही की मासूम टेम्भरे

मजदूर की बेटी का हुआ बीएसएफ में चयन

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, निकटवर्ती ग्राम पाथरशाही की 22 वर्षीया मासूम टेम्भरे का हाल ही में कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा के माध्यम से सीमा सुरक्षा बल में चयन हुआ है। मासूम के चयन से उनके नाते-रिश्तेदारों सहित पूरे गांव एवं औलियाकन्हार फिजिकल क्लब में हर्ष का माहौल व्याप्त है। उल्लेखनीय है कि मासूम के पिता गुलाबचंद टेम्भरे एक मजदूर है जिन्होंने पच्चीस वर्षो तक लालबर्रा की एक किराना दुकान में बतौर मजदूर कार्य किया, वर्तमान में भी उनकी गांव में छोटी-सी परचून की दुकान है जिससे उनके परिवार का गुजर-बसर होता है। मासूम को महानिरीक्षक कार्यालय से ड्यूटी ज्वाइन करने का बुलावा भी आ गया है जिसमें उन्हें पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में इन्स्पेक्टर जनरल के कार्यालय में अपने कर्तव्य हेतु उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया है। मासूम को अपने कर्तव्य के दौरान देश की सीमाओं की सुरक्षा हेतु नियुक्त किया जाएगा। अपने सिलेक्शन पर मासूम का क्या सोचना है, उनके सिलेक्शन से ग्रामीण बालिकाओं में किस प्रकार का उत्साह जागेगा, उनका परिवार क्या सोचता है, इस बारे में चर्चा करने के लिए सिटी चीफ के संवाददाता लकेश पंचेश्वर अपनी टीम के साथ उनके गांव, उनके घर पाथरशाही पहुंचे।

प्राइवेट स्कूल का मुंह नहीं देखा--मासुम चर्चा में मासूम ने बताया कि उनकी लिखित परीक्षा इसी वर्ष मार्च में हुई थी, इसके पश्चात् नवम्बर में फिजिकल, मेडिकल एवं डाक्युमेंट वेरिफिकेशन हुआ, और पिछले सप्ताह फाइल मेरिट लिस्ट आई। मेरी लिखित परीक्षा एवं फिजिकल बढ़िया हुए थे, प्रारंभिक परीक्षा में 135 अंक थे, और लालबर्रा में केवल दो ही लोगों के इतने अंक थे, इसलिए मुझे चयन होने की पूरी उम्मीद थी, इसलिए मैं फाइनल रिजल्ट की प्रतीक्षा कर रही थी।'पढ़ाई कैसे और कहां से किए' पूछने पर मासूम ने बताया कि उसने अमोली स्थित धानेश्वर सर की श्रेष्ठ अकादमी ज्वाइन की थी, मैं यहां सुबह जाती थी और सायंकाल 4-5 बजे वापस आती थी। स्कूल एवं कॉलेज की पढ़ाई के बारे में पूछने पर मासूम ने बताया कि उन्होंने आजपर्यन्त अपनी पढ़ाई सरकारी स्कूल एवं कॉलेज से ही की। पांचवीं तक गांव का स्कूल,दसवीं तक नगपुरा का स्कूल एवं इसके पश्चात लालबर्रा के उत्कृष्ट विद्यालय से हायरसेकेंडरी उत्तीर्ण की। मेरा बारहवीं गणित से था परन्तु मैंने कॉलेज में बीए लिया, तत्पश्चात् एमए किया।

परिवार की प्रथम सदस्य जिसे सरकारी नौकरी मिली मासूम ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल में उनका सिलेक्शन होने से उनका बचपन का सपना पूरा हुआ, बचपन में जब भी कोई उनसे पूछता कि तुम बड़ी होकर क्या बनोगी तो मेरे मुंह से 'पुलिस बनूंगी' ही निकलता था। मुझे किसी भी 'फोर्स' में ही जाना था, इसलिए यहां सिलेक्शन हुआ तो मेरा लक्ष्य ही पूरा हो गया। मेरे सिलेक्शन से परिवार में सभी खुश है, मैं भी खुश हूं। मैं अपने परिवार की पहली ऐसी सदस्य हूं जिसे सरकारी नौकरी मिली है। सरकारी नौकरियों की तैयारी करने वाले को संदेश देते हुए मासूम ने कहा कि यदि उन्हें सरकारी नौकरी पाना है तो लगातार पढ़ते रहना चाहिए, ऐसा नहीं कि दो-चार महीने पढ़ लिए, फिर छोड़ दिए, फिर पढ़ लिए, फिर छोड़ दिए कि अभी वैकेन्सी नहीं आ रही है। मैंने भी तीन-चार वर्ष तक पढ़ाई की, मुझे असफलताएं भी मिली लेकिन फाइनल सिलेक्शन भी आखिरकार हुआ ही।

बच्चों की पढ़ाई हेतु आर्थिक बंदोबस्त जरुरी--गुलाब टेम्भरे मासूम के पिता गुलाब टेम्भरे ने बताया कि उनकी दो बेटियां एवं एक बेटा है, मेरी आर्थिक स्थिति कमजोर है फिर भी मैंने बच्चों को बहुत कठिनाइयों से पढ़ाया हूं। मैंने लालबर्रा की एक किराना दुकान में 25 वर्षो तक मजदूरी की है, अब गांव में ही परचून की दुकान चलाता हूं। बच्चों को पढ़ाने में तो तकलीफ बहुत आई, परन्तु बेटियां योग्य थी, इसलिए उनकी पढ़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ी, बड़ी बेटी को एमएससी करवाया, छोटी बेटी मासूम को काम्पीटीशन की तैयारी में लगाया। खुशी है कि उसका सिलेक्शन हुआ, अब वह देशसेवा में जा रही है, यह सोचकर भी हम लोग खुश है। अन्य अभिभावकों को अपना संदेश देते हुए श्री टेम्भरे ने कहा कि वे भी अपने बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें, भले ही आर्थिक स्थिति जैसी भी हो, पढ़ाई से ही परिवार की दिशा और दशा बदलेगी, इसलिए यदि बच्चे योग्य हो तो उनकी पढ़ाई के लिए जैसे भी हो, उचित आर्थिक बंदोबस्त करना बहुत जरुरी है।

गौरवान्वित है औलियाकन्हार फिजिकल क्लब मासूम टेम्भरे ने इस परीक्षा हेतु फिजिकल की तैयारी स्थानीय औलियाकन्हार फिजिकल क्लब से की है। मासूम की उपलब्धि पर क्लब चेयरमैन ओमप्रकाश बिसेन एवं प्रशिक्षक शैलेन्द्र यादव ने प्रसन्नता व्यक्त की और इसे पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण बताया। श्री यादव ने कहा कि फ्रमासूम ने सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों में जो मुकाम हासिल किया है, वह अन्य युवाओं विशेषकर लड़कियों के लिए प्रेरणा है। यह हमारी मेहनत और मासूम की लगन का परिणाम है। क्लब हमेशा से क्षेत्रीय युवाओं को शारीरिक प्रशिक्षण और प्रोत्साहन देने में अग्रणी रहा है। मासूम ने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्लब और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मासूम ने क्लब में फिजिकल प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन, मेहनत और समर्पण का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। उनके दृढ़ संकल्प ने यह साबित किया कि अगर प्रयास सच्चे हों तो सफलता निश्चित है। मासूम की सफलता से अन्य युवाओं को भी सीख लेनी चाहिए और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कठिन परिश्रम करना चाहिए।

अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा की कार्यकारणी बैठक 5 जनवरी को लालबर्रा में आयोजित

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा अध्यक्ष सचेन्द्र सिलेकर एवम सचिव रविशंकर अजीत द्वारा संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा की कार्यकारणी बैठक 5 जनवरी 2025 को रविशंकर अजीत के निज निवास बड़ी पनबिहरी (लालबर्रा) जिला बालाघाट में रखी गई है। बैठक में गढ़वाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवम सम्मान समारोह तथा छात्रावास निर्माण किये जाने पर विचार विमर्श किया जाएगा तथा अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा युवा प्रकोष्ठ का गठन किया जाएगा। सचेन्द्र सिलेकर एवम रविशंकर अजीत द्वारा सभी सामाजिक बन्धुओं, युवाओं, माताओं, बहनों से बैठक में उपस्थित होने की अपील किया गया है।

फर्जी तरीके से जमीन की रजिस्ट्री कर धोकाधड़ी के आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

घटना का संक्षिप्त विवरण : आरोपीगण ने एक राय होकर दिनांक 23/04/23 को प्रकरण के

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, प्रार्थी शोभाराम पटेल निवासी समन्ना को श्रीमति कमला देवी सेन निवासी राजाखेडी सागर की ग्राम कादीपुर स्थित जमीन को फर्जी तरीके से विक्रय किया है जिसकी विक्रय की रकम 31 लाख रूपये का इन सभी आरोपीगण ने मिलकर आपस में वितरण कर लिया था जो फरियादी शोभाराम पटेल नि. समन्ना द्वारा शिकायत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था जो शिकायत जांच पर अज्ञात आरोपीगण के विरुद्ध थाना कोतवाली दमोह में अपराध क्र 289/2024 धारा 420,419,468,467,120 बी ता.हि. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान प्रकरण में साक्ष्य संकलित कर आरोपीगण 1. हरगोविंद पिता रामेश्वर प्रसाद पटेल उम्र 63 साल निवासी ग्राम हरदी थाना गढाकोटा हाल मदर टेरेसा नगर जबलपुर थाना माढोताल जिला जबलपुर 2. गिरधारी पिता भगवानदास पटैल उम्र 44 निवासी ग्राम समन्ना थाना दमोह देहात जिला दमोह 3. राजेश पिता घनश्याम पटेल उम्र 47 साल निवासी ग्राम चंदौरा थाना दमोह देहात हाल निवासी श्रीवास्तव कालोनी दमोह थाना दमोह देहात, गेंदाबाई पति बेडीलाल बसोर उम 55 साल निवासी ग्राम बाकल थाना बाकल जिला कटनी, जानकी पति रामदास गौर उम्र 30 साल निवासी ग्राम माला थाना नोहटा जिला दमोह को दिनांक 28/12/24 और 29/12/24 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। प्रकरण में अन्य दो आरोपियों की तलाश जारी है। सराहनीय कार्य – निरी आनंद राज थाना प्रभारी कोतवाली, उनि प्रदीप चौधरी, सउनि राकेश पाठक, प्र.आर 431 भगवत पटैल.

अनुपपुर में सीएमएचओं पद पर डॉ. आर.के. वर्मा ने किया पदभार ग्रहण

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, नवनियुक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. वर्मा ने 29 दिसम्बर रविवार को सीएमएचओ का पदभार ग्रहण कर लिया है। जहां रविवार की सुबह सीएमएचओ आफिस पहुंचे डॉ. आर.के. वर्मा ने बीएमओं अनूपपुर डॉ. धनीराम सिंह श्याम, सेवानिवृत्त डॉ. आर.पी. सोनी सहित अन्य चिकित्सको एवं सीएमएचओं कार्यालय के स्टॉफ सहित अन्य चिकित्सकों की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया गया। जानकारी के अनुसार डॉ. आर.के. वर्मा पूर्व में प्रमुख खंड चिकित्सा अधिकारी कोतमा एवं अनूपपुर के पद पर कार्य कर चुके है। सीएमएचओं डॉ. आर.के. वर्मा ने बताया कि वे जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने एवं चिकित्सकीय कार्य एवं विभागीय गतिविधियों के बीच सामंजस्य बैठाकर जनता के बीच स्वास्थ्य के नये आयाम स्थापित करने का पूरा प्रयास करेंगे। वहीं उनके पदभार ग्रहण करने पर डीपीएम निश्चय चर्तुवेदी, जिला लेखा प्रबंधक रामसेवक अहिरवार, जिला कुष्ठ सलाहकार डॉ. शिवेन्द्र कुमार द्विवेदी, डॉ. राशि गुप्ता, सीपीएचसी जयकुमार कहार, एमएडंईओ अजय कुमार शर्मा, डीपीएचएनओ सुधा मरावी उपस्थित रहे।डॉ आर के वर्मा को बनाया गया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनुपपुर अनुपपुर जिले के कर्तव्य निष्ट ईमानदार एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी डॉ आर के वर्मा पूर्व बी एम ओ कोतमा को अनुपपुर जिले का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बनाया गया। डॉ आर के वर्मा के पद ग्रहण करने के बाद से ही शुभकामनाओं का दौर जारी रहा डॉ आर के जग सी है है ।। सभी स्वास्थ्य कर्मचारी एवं अधिकारी एवं पत्रकारों ने डॉ वर्मा को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की एव उनके उज्ज्वल भविष्य की ईश्वर से कामना की।

तलवार के सहारे धमकी और विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

रंगनाथ थाना पुलिस कर रही आरोपी की तलाश

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी के रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र भट्टा मोहल्ला इलाके में एक युवक हाथ में तलवार ले एक व्यक्ति को डराते हुए और बात विवाद करते का एक वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। जिस वीडियो के आधार पर रंगनाथ नगर थाने की पुलिस युवक की पहचान कर युवक की तलाश में जुट गई है।

पीड़ित व्यक्ति बब्बी सोनखरे ने बताया की कल रात को भी कुछ लोगो द्वारा उसके घर में आकर डराने धमाकों की कोशिश की गई और आज सुबह भी भट्टा मोहल्ला निवासी एक बदमाश हाथ में तलवार ले उसे ओर उसके परिजनों को धामने की कोशिश की जिसको वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। इस पूरे विवाद का जब पीड़ित बब्बी सोनखरे से बात की गई तो उनका कहना था कि 7 माह पहले राजू ठाकुर ने घर के सामने रेत मंगवाई थी और उस रेत के ढेर में उनकी बिटिया खेल रही थी और उसने उसकी बिटिया से डांटा था जिस पर परिजनों ने आराम से समझाने को कहा था तो वह आक्रोशित हो भट्टा मोहल्ला एक बदमाश को उसे डराने धामने की कोशिश की थी जिसकी शिकायत रंगनाथ थाने में की थी लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुई, और दोबारा भट्टा मोहल्ला के एक बदमाश उसके पास तलवार लेकर आया और उनके भाई और उसे डराने धामने लगा जिसकी एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। वही जब इस मामले में रंगनाथ थाना क्षेत्र प्रभारी नवीन नामदेव ने कहा कि सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान की जा रही ओर जल्द ही आरोपी को अरेस्ट कर लिया जाएगा।

साहस और मानवता की सच्ची मिसाल पेश करने के लिए चंद्रकांता बियानी को किया जाएगा सम्मानित

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, साहस और मानवता की सच्ची मिसाल पेश करने के लिए माहेश्वरी समाज की चंद्रकांता बियानी पति महेंद्र बियानी को अखिल भारतीय महिला मंडल की नागपुर मीटिंग में एवं प्रदेश सभा की गुना मीटिंग में उन्हें सम्मानित किया जाएगा।जो माहेश्वरी समाज के लिए गौरव का विषय है। माहेश्वरी समाज शहडोल के अध्यक्ष सुनील मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि करगी रोड एवं पेंड्रा रोड के बीच ट्रेन नंबर 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस के एस-1 कोच में गत दिनों एक महिला को अचानक प्रसव पीड़ा की एक अप्रत्याशित घटना घटी।इस नाजुक स्थिति में शहडोल माहेश्वरी समाज की चंद्रकांता बियानी ने अपने अद्भुत साहस और सूझबूझ का परिचय दिया। उन्होंने बिना किसी चिकित्सा सहायता और बेहद सीमित संसाधनों के बावजूद,महिला की सुरक्षित डिलीवरी ट्रेन के कोच में ही करवाई।स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बच्चे की नाल बांधने के लिए उन्होंने रक्षामौली का उपयोग किया।उनकी बुद्धिमत्ता और निडरता से न केवल एक सुंदर कन्या का सुरक्षित जन्म हुआ,बल्कि जच्चा और बच्चा दोनों की जान भी बचाई गई। यह गौर करने की बात है कि इतने मुश्किल समय में जब अन्य यात्री मदद के लिए आगे नहीं आए,जब चंद्रकांता बियानी ने मानवता की सच्ची मिसाल पेश की। उनका यह कार्य समाज के लिए निश्चित ही प्रेरणा का स्रोत है और उनकी सभी ने सराहना की। माहेश्वरी समाज के जिला अध्यक्ष सुनील मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके साहस और मानवता की सच्ची मिसाल पेश करने के लिए अखिल भारतीय महिला मंडल की नागपुर मीटिंग में एवं प्रदेश सभा की गुना की मीटिंग में चंद्रकांता बियानी को सम्मानित किया जाएगा।

31 दिसंबर को विप्र समाज द्वारा शनिधाम में सुंदरकाण्ड एवं भंडारे का आयोजन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, अनूपपुर विप्र समाज के संयोजन में सामूहिक रूप से संगीतमय वृहद सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया जा रहा है,उक्त कार्यक्रम के विषय में जानकारी देते हुए पंडित जीतेन्द्र पांडे और पंडित संदीप मिश्रा ने सभी को आवाहित करते हुए बताया कि दिनांक 31 दिसंबर दिन मंगलवार को अपरान्ह 3:00 बजे से सिद्ध पीठ शनिधाम चेतना नगर अनूपपुर में स्वर सहित पाठ का आयोजन किया जा रहा है,जो कि पंडित संतोष मिश्रा के अगुआई में होना है।सुंदरकांड पाठोंपरांत समाज के सदस्यता बैठकों के आगामी आयोजन पर चर्चा एवं जिला संयोजक पंडित रामनारायण द्विवेदी मानस मर्मज्ञ द्वारा समाज के लिए मठाधीशों धर्माचार्यों से प्राप्त आशीष एवं सुझावों पर चर्चा के पश्चात आयोजित भंडारा कार्यक्रम में प्रसाद वितरण किया जाएगा।उक्त आयोजन के सफलता के लिये जिलाध्यक्ष आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा अनूपपुर पंडित चैतन्य मिश्रा,अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष पंडित जनार्दन मिश्रा, अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद जिला अध्यक्ष पंडित विधाधर पांडे, कमलेश द्विदी,पंडित सुरेन्द्र शुक्ला,पंडित एस एन शुक्ला,पंडित मधुकर चतुर्वेदी,पंडित मधुकर द्विदी,पंडित रोहणी तिवारी,पंडित राजमणि पांडे पं संदीप गर्ग पंडित डी.एन.मिश्रा,पंडित बाबूलाल पाठक,पंडित संजय मिश्रा, पंडित अयोध्या तिवारी,पंडित महेश मिश्रा,पंडित मनोज मिश्रा,पंडित देवानंद शुक्ला,पंडित सुरेन्द्र मिश्रा,पंडित सुधाकर मिश्रा,पंडित श्रीनिवास तिवारी,पंडित शिवनारायण चतुर्वेदी, पंडित राम सजीवन गौतम,पंडित आर एस शर्मा अपनी उपस्थिति के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने का कार्य करेंगे।

नववर्ष के पहले कटनी में गीत-संगीत की महफिल सजी

घर से छोटा व्यापार करने वालो की पहचान बनाने के लिए हो रहा इवेंट

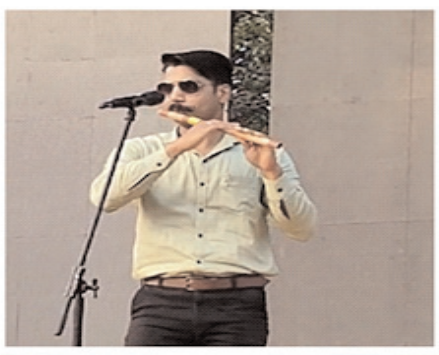

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, बिज़नस में अपनापान हर कोई दिखता है,पर अपना कौन हैं ये वक्त बताता है... ये शब्द कटनी जिले के माधवनगर स्थित जागृति पार्क में होने वाले जागृति हाट में सटीक बैठता है.कटनी की एक संस्था तथास्तु अपनी पूरी टीम के साथ शहर की युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें तराशकर आगे बढ़ाने एवं छोटे एवं मध्यम वर्ग के उद्यमियों के व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाट बाजार कार्यक्रम का आयोजन रखा। इस हाट बाजार में घर से हैंड मेक वस्तुओं का विक्रय करने वालो लोग जिम्मे अधिकांश महिलाएं शामिल हुई इनकी पहचान बनाने के लिए यह इवेंट का आयोजन हो रहा है। इस जागृति हाट बाजार में नए साल के पहले एक रंगा रंग संगीतमय कार्यक्रम का इवेंट भी रखा है, जिसमें मुंबई के कलाकार ने धूम मचाया।

कटनी जिले की तथास्तु इवेंट की संचालिका श्रृष्टि निगम ने बताया कि वे नए साल के पहले माधवनगर स्थित जागृति पार्क में इवेंट ग्रुप ने जागृति हाट पार्ट 2.0 इवेंट का आयोजन कर रही है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि शहर की युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें तराशकर आगे बढ़ाने एवं छोटे एवं मध्यम वर्ग के उद्यमियों के व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पारिवारिक माहौल में नववर्ष के स्वागत को लेकर जागृति हाट 2.0 का आयोजन जागृति पार्क, माधवनगर में किया गया है। नोवा पॉली डायग्नोस्टिक्स, कटनी नर्सिंग होम एवं जागृति सोसायटी द्वारा प्रायोजित जागृति हाट 2.0 में जागृति हाट, जागृति जायका,जागृति मंच एवं जागृति मेले का आयोजन किया गया है। इसके अलावा डांस कॉम्पटीशन, ओपन माइक कॉम्पटीशन, फैशन शो का भी आयोजन किया गया है, जिसमे जूनियर एवं सीनियर ग्रुप के कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे है। सभी विजेता प्रतिभागियों को ग्रुप द्वारा पुरस्कृत भी किया जाएगा। इसी कड़ी में संप्रेषणा नाट्य मंच शाम के वक्त हास्य नाटक का मंचन किया गया। साथ ही शाम के वक्त मुंबई से आए युवा कलाकारों द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गई। जिसमे इको स्मिथ, यूकेई एवं यंगेस्ट डीजे स्टार डीजे लिटिल आरोही द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। तथास्तु इवेंट ग्रुप ने शहर के लोगों इस कार्यक्रम में पहुंचकर लुत्फ उठाया।

सेवा सदन है सदगुरू नेत्र चिकित्सालय

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार

सुनील यादव । सिटी चीफ सतना, संत रणछोड़ दास जी महाराज द्वारा स्थापित विश्व ख्याति प्राप्त श्री सदगुरू नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड का मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा, आयुष व तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने अपने चित्रकूट दौरे के दौरान भ्रमण कर नेत्र चिकित्सालय द्वारा संचालित सभी प्रकल्पों का अवलोकन किया, उन्होंने गहरी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सदुरु नेत्र चिकित्सालय एक विश्व ख्यातिलब्ध चिकित्सालय है साथ ही उन्होंने चिकित्सालय की सराहना करते हुए कहा कि यहां जो नेत्र रोगियों की सेवा हो रही है वह मन को अति शांति और संतोष देने वाली है ये वास्तव में एक सेवा सदन है एवं नेत्र चिकित्सालय द्वारा संचालित सभी प्रकल्पों के बारे में कहा कि यहां संचालित हर प्रकल्प एक प्रकल्प ही नहीं बल्कि सेवा प्रकल्प है। उच्च शिक्षा मंत्री ने अपने चिकित्सालय भ्रमण के दौरान के साथ साथ श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के बारे में भी सारी जानकारी लिया और जाना कि शिक्षा के क्षेत्र में यहां कौन कौन से प्रकल्प संचालित है। चिकित्सालय भ्रमण में आए उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डॉ. बी.के. जैन और सीईओ डॉ. इलेश जैन ने सदुरु परिवार की ओर से स्वागत करते हुए पुष्प गुच्छ, साल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

एकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल का वार्षिक खेल महोत्सव संपन्न

सतना, विगत दिवस अकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल करही में वार्षिक खेल महोत्सव संपन्न हुआ जिसके, मुख्य अतिथि श्री शेर सिंह मीना (नगर निगम आयुक्त, सतना) और विशिष्ट अतिथि डॉ. एल.के. तिवारी (सी एम एच ओ सतना) रहे कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन से हुई मंच पर संस्था के चेयरमैन श्री शम्मी पुरी, डायरेक्टर शाश्वत पुरी , एकेडमिक डायरेक्टर सनातन अग्रवाल, मैनेजमेंट हेड डॉ हिमानी सिंह, प्रिंसिपल रश्मि श्रीवास्तव, और जूनियर की प्रिंसिपल सुजाता साबू उपस्थित रहे ।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई। इसके बाद मशाल प्रज्वलन, बैंड प्रदर्शन, और मार्चपास्ट ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्र-छात्राओं ने पीटी, ताइक्वांडो, लेज़ियम, और डंबल एक्ट जैसे रोमांचक प्रदर्शन किए।खेल प्रतिस्पर्धाओं में , हूला हूप पी टी , एरोबिक्स ड्रिल, सौ मीटर दौड़, रिले रेस, हर्डल रेस, और टग ऑफ वॉर ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाया।मशाल ड्रिल मुख्य रूप से आकर्षण का केंद्र रही । अभिभावकों के लिए म्यूजिकल चेयर और दौड़ जैसी गतिविधियों ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में खेलों के महत्व को रेखांकित करते हुए बच्चों को मेहनत और टीम वर्क के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास बल्कि मानसिक विकास के लिए भी आवश्यक हैं। साथ ही मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा विजेताओं को सम्मानित कर पुरस्कार वितरित किए गए । कार्यक्रम के अंत में उप प्राचार्या सोनिया ओबेरॉय ने आभार प्रदर्शन किया।

ओव्हर लोड के सवाल पर झल्लाए आरटीओ संजय श्रीवास्तव

बोले-जा आपन काम देखा, हम ना देव जवाब

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, भाजपा शासनकाल में आरटीओ संजय श्रीवास्तव जैसे अधिकारियों की मौज है। उन्हें शासन के निमयों से कोई सरोकार नहीं हैं। सतना में ओव्हर लोड का खेल जनता की शिकायत के बाद भी रूकने का नाम नहीं ले रहा है। तो वहीं ओवर लोडिंग एवं अवैध खनन परिवहन माफिया के संरक्षण के गंभीर आरोपों के सवालों से आरटीओं संजय श्रीवास्तव झल्लाए नजर आये। शुक्रवार को सोसल मीडिया में आरटीओ संजय श्रीवास्तव का वीडियो वॉयरल हुआ, जिसमें ओव्हर लोड के सवाल पर अचानक संजय श्रीवास्तव अपना आपा खो बैठे और वोलने लगे कि आपके सवालों का जबाव हम नहीं देगें। जब कोई किसी के दुखती नश पर हांथ रखता है तो वह फड़फड़ाने लगता है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर संजय श्रीवास्तव ओव्हर लोडिंग के सबाल पर इतना आग बबूला क्यों हो गये। सतना आरटीओ संजय श्रीवास्तव के ऊपर ट्रक एसोसिएसन सतना द्वारा इंट्री वसूली, ओवर लोडिंग, एवं अवैध खनन माफिया और फैक्ट्रियों से सांठ गांठ करने और सूत्रों से खबर है कि आरटीओ की नाक के नीचे और संरक्षण में आरटीओ के टैक्स बिना चुकाए एवं चोरी की गाड़ियां कबाडियों के अड्डों पर कटवाने के भ्रष्टाचार जैसे गम्भीर आरोप लगातार लगते आ रहे हैं लेकिन संजय श्रीवास्तव अपने पॉवर के दम पर कई वर्षों से सतना आरटीओ की कुर्सी पर काबिज है।

जिले में होता है ओव्हर लोड का करोड़ों में खेल सूत्रों की हवाले से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि ओव्हर लोड के खेल में जिले की संभी सीमेन्ट प्लांट और बड़ें- बड़ें ट्रान्सपोर्टर सहित अन्य लोग शामिल होकर इस खेल को अंजाम दे रहे हैं। अगर ओव्हर लोडिंग बंद हो गई तो करोड़ों में खेलने वाले लोगों को सिर्फ मायूसी हांथ लग सकती है। सूत्रों के हवाले से ऐसे भी खबरे सामने आई है कि ओव्हर लोड के खेल में आरटीओ विभाग द्वारा जमकर वसूली भी की जाती है।

तो क्या इनके ऊपर चुनाव आयोग के निमय नहीं लागू होते हैं विगत दिनों चुनाव आयोग द्वारा समस्त जिला कलेक्ट्रों को पत्र लिखकर तीन वर्ष से एक जगह में जमें अधिकारियों की सूची मांगी गई थी। इस सूची में संजय श्रीवास्तव आरटीओ का नाम प्रमुखता से नाम होना चाहिए था। अब देखना यह है कि उस सूची में संजय श्रीवास्तव का नाम है या फिर चुनाव आयोग के आदेश को दरकिनार कर दिया गया।

मनरेगा में 100 कार्य दिवस पूर्ण करने वाले मजदूरो को सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन का दिया गया प्रशिक्षण

जिले के जनपद कोतमा के ग्राम उमरदा में आयोजित हुआ 10 दिवसीय प्रशिक्षण व परीक्षा

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आर- सेटी) अनूपपुर द्वारा प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत मनरेगा में 100 दिवस कार्य कर चुके महिला एवं पुरुष प्रशिक्षार्थियों को सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन का 10 दिवसीय प्रशिक्षण मध्य प्रदेश शासन ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से आरसेटी के संस्था प्रबंधक जयकुमार सिंह के मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर स्वावलंबी एवं स्वरोजगार स्थापित करने के लिए अनूपपुर जिले के जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत भवन उमरदा मे आयोजित किया गया। जिसमें पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम उमरदा, मझटोलिया एवं चंद्रौठी के 25 प्रशिक्षणार्थीयो को प्रशिक्षण दिया गया 19 प्रशिक्षणार्थी परीक्षा में बैठे जिनमे से 16 प्रशिक्षार्थी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। प्रशिक्षार्थियों की परीक्षा ओम प्रकाश चतुर्वेदी परीक्षा नियंत्रक रूडसेटी ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार कार्यालय भोपाल के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सब्जी उत्पादन एवं नर्सरी प्रबंधन की परीक्षा रामसुख दुबे कटनी तथा बैंक से संबंधित परीक्षा परीक्षक पवन कुमार पांडे शहडोल द्वारा लिखित एवं मौखिक परीक्षा ली गई। परीक्षा में नर्सरी प्रबंधन तथा सब्जी उत्पादन, सब्जियों के बीजों एवं किस्म की जानकारी, सब्जियों में लगने वाले विभिन्न कीट एवं रोग उनके नियंत्रण की जैविक तकनीक की जानकारी, मिट्टी परीक्षण, जैविक खाद एवं कीटनाशक निर्माण तथा सब्जियों में उपयोग, प्लास्टिक मल्चिंग, सिंचाई प्रबंधन, ड्रिप सिंचाई, पाली हाउस, सब्जी उत्पादन से लाभ तथा उद्यमशील व्यक्तियों की विशेषताएं बैंकों में विभिन्न प्रकार के खाते तथा बैंकिंग से संबंधित विषयों का मूल्यांकन किया गया।
सड़क दुर्घटनाएं रोकने हेतु चलाया जा रहा है, विशेष अभियान
अभियान के द्वितीय दिवस की कार्यवाही
1- शराब के नशे में वाहन चलाने वाले 03 वाहन चालकों पर हुई कार्यवाही
कल अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस द्वारा ट्रक क्रमांक स्क्क 18 ।।6015 एवं हाइवा क्रमांक के चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाया गए, जिनके विरूद्ध प्रकरण तैयार कर वाहन जप्त किये गए।
कोतमा पुलिस द्वारा एक मोटर साइकिल चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते पाया गया, जिसके विरुद्ध प्रकरण तैयार कर वाहन जप्त किया गया।
2- फुनगा के पास हाईवे रोड पर स्थित डिवाइडर के दोनों ओर लगवाए गए ट्रैफिक कोन
हाईवे पर ग्राम फुनगा के पास स्थित डिवाइडर से रात्रि में अदृश्यता के कारण टकराने से एक्सीडेंट घटित होते है, जिस पर अंकुश लगाने हेतु ट्रैफिक पुलिस द्वारा डिवाइडर के दोनों ओर ट्रैफिक कोन रखवाए गए हैं, जिससे रात्रि के समय वाहन डिवाइडर से ना टकराएं।
3- ट्रैफिक मिरर लगवाए जाने के लिए अंधे मोड़ किए गए चिन्हित
आज अभियान के तहत यातायात प्रभारी ज्योति दुबे एवं ट्रैफिक स्टाफ द्वारा अमरकंटक रोड, जैतहरी रोड एवं चचाई रोड का भ्रमण किया जाकर ऐसे 15 अंधे मोड़ जहां पर मोड़ के कारण आने जाने वाहन आपस में दिखाई ना देने से टकराने की घटनाएं घटित होती हैं, चिन्हित किए गए इन स्थानों पर अभियान के दौरान ही मिरर लगाए जाने की कार्यवाही की जाएगी।

जिला जेल में आयोजित किया गया दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

313 कैदियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई दवाई

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला जेल अनूपपुर में निरुद्ध कैदीयो के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए दो दिवसीय शिविर का आयोजन जिला जेल परिसर में किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ श्रीमती एस बी अवधिया जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक तथा जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ एस सी राय के नेतृत्व में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में चिकित्सक तथा पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। इस दौरान उप जेल अधीक्षक श्री तिवारी भी मौजूद रहे। दो दिवसीय शिविर में जिला जेल के 313 कैदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा जरूरतमंद कैदियों को औषधियां भी प्रदाय की गई।

एसडीएम ने किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री कैंप की जानकारी दी एवं ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया

एसडीएम ने जरूरतमंदों को सर्दी से बचाव के लिए कबलों का वितरण भी किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद तहसील क्षेत्र के गांव गंगदासपुर जट में एसडीएम देवबंद दीपक कुमार ने किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री कैंप की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों को सर्दी से बचाव के लिए कबलों का वितरण किया। एसडीएम देवबंद दीपक कुमार ने यहां आयोजित कार्यक्रम में कहा कि जो किसान कैंप के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन कराएंगे, ऐसे किसानों को किसान सम्मान निधि और अन्य योजना का लाभ मिलेगा। एसडीएम दीपक कुमार ने कहा कि जिन किसानों को प्रशासनिक स्तर पर कोई समस्या है, वह उनसे सीधा संपर्क कर सकते हैं। ऐसे किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निदान किया जाएगा। भारतीय किसान संघ के प्रदेश संयोजक श्यामवीर त्यागी ने फार्मर रजिस्ट्री कैंप में ज्यादा से ज्यादा संख्या में रजिस्ट्रेशन कराने का आह्वान किया। इस दौरान एसडीएम दीपक कुमार ने सर्दी से बचाव के लिए लोगों को शासन की ओर से कंबलों का वितरण किया। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों से आह्वान करते हुए कहा कि वह अपने क्षेत्र में सर्दी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए अलाव का प्रबंध करें। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान तरुण कुमार सहित गांव के किसान मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने की जनपद में पर्यटन विभाग की निर्माणाधीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा

परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ समयबद्धता से पूर्ण करने के निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल, विधायक नगर राजीव गुंबर, विधायक नकुड़ मुकेश चौधरी, विधायक रामपुर मनिहारान देवेंद्र निम की उपस्थित में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जनपद में पर्यटन विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि विभाग एवं कार्यदाई संस्था जनप्रतिनिधियों से निरंतर संपर्क में रहे। भविष्य में स्वीकृत होने वाली परियोजनाओं में स्थानीय जनता एवं संबंधित जनप्रतिनिधि से विचार- विमर्श किया जाए। निर्माणाधीन परियोजनाओं का जनप्रतिनिधियों के साथ भ्रमण कर उनके सुझाव को कार्य में शामिल किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि शिलान्यास व लोकार्पण में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को अवश्य आमंत्रित किया जाए। बैठक में 03 कार्यदाई संस्थाओं द्वारा निर्माणाधीन 27 परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बैठक में कार्यदाई संस्था सीएलडीएफ के अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर नाराजगी जताई।
बैठक में नकुड़ क्षेत्र अंतर्गत अंबेडकर भवन पार्क का पर्यटन विकास, रामपुर क्षेत्र अंतर्गत शिव मंदिर अघ्याना एवं शिव मंदिर बुड्ढाखेड़ा का सौंदर्यीकरण, गंगोह क्षेत्र अंतर्गत बालाजी धाम ककराली सरोवर में हॉल, शौचालय, इंटरलॉकिंग कार्य, महादेव शिव मंदिर बेहट का पर्यटन विकास कार्य, देवबंद स्थित सिद्धपीठ श्री मंकेश्वर महादेव मंदिर का पर्यटन विकास, देवबंद स्थित श्री राधा वल्लभ मंदिर का पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण, बाबा लालदास मार्ग पर फुलवारी आश्रम का पर्यटन विकास, जड़ौदा पांडा स्थित जूड़ मंदिर का पर्यटन विकास, मुंडी खेड़ी में स्थित गुरु प्रहलाद दास जी की तपोस्थली शिव मंदिर एवं तालाब का सौंदर्यीकरण, गंगोह में ककराली स्थित सरोवर का समेकित विकास व सौंदर्यकरण, बनखंडी महादेव मंदिर सरसावा एवं नकुड़ का पर्यटन विकास, देवबंद स्थित बाला सुंदरी मंदिर का सौंदर्यकरण, नकुड़ में स्थित संत गुरु प्यारे महाराज जी के स्थल का सौंदर्यकरण के किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इसके साथ बैठक में शाकुम्भरी देवी शक्तिपीठ में टीएफसी, पार्किंग, ऑपन ऐयर थिएटर, राही पर्यटन आवास गृह, लैण्डस्केपिंग, फुटपाथ, म्यूरल्स स्कल्पचर्स वाटर फाउण्डेशन, शक्तिपीठ में प्रवेश द्वार काम्पलेक्स, मार्ग प्रकाश व्यवस्था, साइनेज की स्थापना, पर्यटन सुविधाओं का सृजन, शाकुम्भरी देवी शक्तिपीठ में 51 शक्तिपीठों पर आधारित थीम पार्क के किए जाने वाले कार्यों की भी समीक्षा की। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को समय से पूरा कराया जाए। निर्माण कार्य मे देरी होने से परियोजना का लाभ जनता को समय से नहीं मिल पाता है। इसके साथ ही सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों की परियोजनावार समीक्षा कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। उन्होने कहा कि किसी प्रकार की समस्या आने पर संबंधित विभाग द्वारा शासन स्तर पर पत्राचार किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, उप जिलाधिकारी बेहट मानवेंद्र सिंह, उप निदेशक पर्यटन श्रीमती प्रीती श्रीवास्तव सहित कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गुरू गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर प्रभात फेरियों का हुआ शुभारंभ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, साहिब श्री गुरू गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में निकाली जाने वाली 6 दिवसीय प्रभात फेरियों का आज विधिवत शुभारंभ हो गया। पहली प्रभातफेरी गुरूद्वारा साहिब से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, लाजपत नगर कालोनी, रेलवे रोड़ होते हुए दुर्गा कालोनी स्थित गगनदीप सिंह के निवास पर पहुंची जहां संगत ने अरदास की। मार्ग में सिमरनजीत सिंह, चन्नी बेदी, हरप्रीत बेदी ने गुरवाणी गायन की। प्रभातफेरी वापिस रेलवे रोड़ से गुरूद्वारा साहिब पहुंची जहां भाई गुरदयाल सिंह, अमनदीप सिंह, चंद्रदीप सिंह ने गुरवाणी गायन कर संगत को निहाल किया। कीर्तन उपरांत परिवार की ओर से गुरू का लंगर वितरित किया गया। गुरूद्वारा कमेटी की ओर से गगनदीप सिंह को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। कमेटी के सचिव गुरजोत सिंह सेठी ने बताया कि गुरू गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 29 दिसंबर से 3 जनवरी तक प्रभात फेरी निकाली जाएगी। 3 जनवरी को श्री अखंड पाठ साहिब के पाठ प्रारंभ होंगे व जनवरी को प्रकाश पर्व श्रद्धा व उत्साह से मनाया जाएगा। इस दौरान सेठ कुलदीप कुमार, सचिन छाबड़ा, हर्ष भारती, गुरदीप सिंह, पवन भाटिया, गुरजंट सिंह, परमजीत सिंह, लक्की कक्कड़, सुमित सिंह उप्पल, जसमीत सिंह, कमल सिंह, बलविंदर सिंह, देवेंद्र पाल सिंह, गुरविंदर बेदी, विपिन नारंग, प्रिंस कपूर, सन्नी सेठी, सिमरन जीत सिंह, राजपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई जनपद स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में यू0आई0डी0 ए0आई0 द्वारा नामित प्रतिनिधि सहायक प्रबन्धक राजीव त्रिपाठी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में डाकघर के 17, बेसिक शिक्षा विभाग के 10, इण्डिया पोस्ट पेमेन्ट बैक के 46, बैंकों के 29, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के 08, स्वास्थ्य विभाग के 04 तथा जन सेवा केन्द्रों के 124, कुल 238 आधार केन्द्र कियाशील हैं, जिनमें आधार अपडेशन एवं नये आधार जनरेशन का कार्य किया जा रहा है। आधार प्रमाणीकरण या सत्यापन में किसी तरह की असुविधा को रोकने के लिये आधार कार्ड धारक, आधार में अपना नाम, पता व मोबाइल नम्बर हमेशा अपडेट रखें, यदि किसी भी व्यक्ति के आधार कार्ड बने हुये 10 वर्ष या अधिक का समय हो गया है, तो अपने पते व पहचान का प्रमाण लेकर अपने नजदीकी आधार केन्द्र पर जाकर अपना आधार कार्ड अपडेट अवश्य करा लें। मोबाइल नम्बर आधार कार्ड के साथ लिंक रहने पर नाम, पता, जन्मतिथि, लिंग आदि विवरण ऑनलाइन भी अपडेट किया जा सकता है। जन्मतिथि केवल एक बार एवं नाम दो बार अपडेट कराया जा सकता है। सिर्फ डेमोग्राफी अपडेट कराना है तो 50 रूपये एवं 7-14 वर्ष एवं 17 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के आधार कार्ड धारकों के बायोमैट्रिक अपडेट हेतु 100 रुपए शुल्क निर्धारित है। नये आधार बनवाने एवं 0-5 वर्ष तथा 15-17 वर्ष आयुवर्ग के लिये बायोमैटिक नि:शुल्क अपडेट किया जाता है। आधार नम्बर का उपयोग विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाने के लिये किया जा रहा है। जनपद में 0 से 05 वर्ष के बच्चों के आधार कार्ड बनाने के लिये जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा चिन्हित स्थलों पर कैम्प भी आयोजित कराये जायेंगें। जनपद में स्थापित 124 जन सेवा केन्द्रो पर आधार कार्ड में मोबाईल नम्बर व पता अपडेशन का कार्य किया जाता है। बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर अभिमन्यु मांगलिक, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, अर्थ एवं संख्याधिकारी अमित कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बांगलादेश को आतंकवाद का अगला हॉटस्पॉट बना रहा पाकिस्तान

खतरे में दक्षिण एशिया की सुरक्षा

इंटरनेशनल डेस्क. पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी *ISI* बांगलादेश में अपनी गतिविधियाँ बढ़ाकर इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही है। हाल की खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, *ISI* बांगलादेश में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए कई रणनीतियों का उपयोग कर रहा है, जिसका असर न केवल बांगलादेश, बल्कि समग्र दक्षिण एशिया पर हो सकता है। पाकिस्तान की *ISI* का दक्षिण एशिया के राजनीति और सुरक्षा में गहरा हस्तक्षेप है। बांगलादेश में हाल ही में *ISI* की गतिविधियाँ बढ़ी हैं, जहां वह न केवल क्षेत्रीय उद्देश्यों के लिए काम कर रहा है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है। रिपोर्टों के अनुसार, द्वस्द्ध को बांगलादेश की अंतरिम सरकार के कुछ प्रभावशाली नेताओं से अप्रत्यक्ष समर्थन प्राप्त है, जिससे इस स्थिति की गंभीरता बढ़ जाती है।

इन गतिविधियों के बीच मोहम्मद युनुस, जो बांगलादेश के प्रमुख राजनीतिक व्यक्तित्व हैं और अंतरिम सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, पर *ISI* के साथ संबंध होने का आरोप है। युनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर विवादास्पद बयान दिए हैं, जिससे भारत-बांगलादेश संबंधों में और तनाव बढ़ा है। *ISI* बांगलादेश में अपनी घुसपैठ को मजबूत करने के लिए समुद्री मार्गों का उपयोग कर रहा है। पाकिस्तान से बांगलादेश आने वाले जहाजों में हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। ये आपूर्ति न केवल क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन भी करती है।

बांगलादेश में रहने वाले बिहारी समुदाय, जो लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक रूप से हाशिए पर है, को *ISI* अपने उद्देश्यों के लिए उपयोग कर रहा है। इस समुदाय को आतंकवादी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि उनका इस्तेमाल भारत के खिलाफ हमलों में किया जा सके। *ISI* का रिहांग्या विद्रोहियों के साथ सहयोग भी एक महत्वपूर्ण समस्या है। *ISI*, जिनमें हिज्बुल तहरीर और अन्य समूहों का हाथ है, इन विद्रोहियों को हथियार और विस्फोटक प्रदान कर रहा है। इस सहयोग का उद्देश्य केवल भारत की सुरक्षा को खतरे में डालना नहीं, बल्कि म्यांमार के राखिन राज्य में अस्थिरता फैलाना भी है।

इन बढ़ती *ISI* गतिविधियों का सीधा असर भारत और पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा पर पड़ रहा है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में पहले से मौजूद विद्रोहियों को *ISI* का समर्थन मिल रहा है, जिससे भारत की आंतरिक सुरक्षा को और भी खतरा हो सकता है। इसके अलावा, सीमा पार आतंकवाद और हथियारों की तस्करी से तनाव बढ़ सकता है। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए, क्षेत्रीय देशों को मिलकर जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए।

यह समय है कि सूचना साझा की जाए, सीमा सुरक्षा मजबूत की जाए, और उन कमजोर समुदायों को एक मंच पर लाया जाए, जो इन गतिविधियों का शिकार हो रहे हैं।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का निधन

100 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका के 39वें राष्ट्रपति जिमी कार्टर का रविवार को 100 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। कार्टर 1 अक्टूबर 1924 को जॉर्जिया राज्य में एक किसान परिवार में जन्मे थे और 1977 से 1981 तक राष्ट्रपति पद पर रहे। वह अमेरिका के इतिहास में अपने सरल और मानवीय दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं। लंबे समय से बीमार चल रहे कार्टर के निधन की पुष्टि उनके बेटे ने की, हालांकि तत्काल कारण नहीं बताया गया।

फरवरी 2023 में, कार्टर सेंटर ने घोषणा की थी कि वह आक्रामक स्किन कैंसर (मेलेनोमा) से पीड़ित थे, जिसका ट्यूमर उनके लीवर और मस्तिष्क तक फैल चुका था। इसके बावजूद, उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्षों में परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने को प्राथमिकता दी। उनकी आखिरी तस्वीर 1 अक्टूबर को उनके 100वें जन्मदिन पर ली गई थी। जिमी कार्टर 1977 में आर. फोर्ड को हराकर राष्ट्रपति बने। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कई ऐतिहासिक कार्य किए, जिनमें 1978 का कैंप डेविड समझौता प्रमुख है। इस समझौते में उन्होंने इजरायल और मिस्र के बीच शांति वार्ता की मध्यस्थता की, जो मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जाता है। कार्टर ने अमेरिका और मिडिल ईस्ट के रिश्तों को नई दिशा दी। ऊर्जा संकट के दौरान उन्होंने ऊर्जा संरक्षण और वैकल्पिक स्रोतों पर जोर दिया। हालांकि, उनके कार्यकाल के अंतिम वर्षों में ईरान बंधक संकट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित

राष्ट्रपति पद से हटने के बाद जिमी कार्टर ने शांति और मानवाधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र, शांति और विकास के लिए %कार्टर सेंटर% की स्थापना की। इसके तहत उन्होंने कई देशों में चुनावी निगरानी और मानवतावादी सहायता प्रदान की। उनके इन प्रयासों के लिए उन्हें 2002 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्टर का जीवन प्रेरणा का स्रोत है। पद पर रहते हुए और उसके बाद भी उन्होंने मानवीय मुद्दों, गरीबी उन्मूलन और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए काम किया। उनके प्रयासों ने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया। उनकी मृत्यु पर दुनिया भर से श्रद्धांजलि व्यक्त की जा रही है। जिमी कार्टर को एक ऐसे नेता के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने शांति, मानवता और सेवा के आदर्शों को सर्वोच्च रखा।

स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू, होगी प्रोस्टेट सर्जरी

इंटरनेशनल डेस्क. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के प्रोस्टेट को हटाने संबंधी सर्जरी रविवार को की जायेगी। उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी। नेतन्याहू (75) को हाल के वर्षों में कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने पूरी तरह से स्वस्थ और ऊर्जावान नेता के रूप में अपनी सार्वजनिक छवि को मजबूत करने के लिए काफी प्रयास किये हैं। हालांकि इजराइल के सबसे लम्बे समय तक सत्ता में रहने वाले नेता के रूप में कार्यभार का दबाव उनके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। नेतन्याहू के वकील अमित हदाद ने अदालत को बताया कि इजराइली प्रधानमंत्री को सर्जरी के दौरान पूरी तरह से बेहोश रखा जाएगा और उन्हें ''कई दिनों के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जायेगा। इसलिए इस सप्ताह होने वाली उनकी तीन दिन की गवाही को रद्द किया जाए।

अदालत ने उनकी अपील को मंजूरी दे दी। एक अधिकारी के अनुसार जब तक नेतन्याहू इस प्रक्रिया से गुजरेंगे, तब तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री उनका कार्यभार संभालेंगे।

हालांकि यह तत्काल स्पष्ट नहीं है कि यह पद कौन संभालेगा। बुजुर्ग पुरुषों में प्रोस्टेट संबंधी समस्याएं आम हैं और इनसे वे जल्दी ठीक हो सकते हैं। नेतन्याहू के कार्यालय के अनुसार इजराइली नेता को बुधवार को मूत्र मार्ग में संक्रमण का पता चला था। संक्रमण का एंटीबायोटिक दवाओं से सफलतापूर्वक इलाज किया गया लेकिन रविवार को एक प्रक्रिया के तहत उनके प्रोस्टेट को हटा दिया जायेगा।

इजराइल के राबिन मेडिकल सेंटर में ऑन्कोलॉजी यूरोलॉजी सेवा के प्रमुख डॉ. शे गोलान ने इजराइली आर्मी रेडियो को बताया कि 70 और 80 की उम्र के पुरुषों में प्रोस्टेट ग्रंथि बढ़ने से होने वाली जटिलताएं आम हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई प्रोस्टेट ग्रंथि के कारण मूत्र विसर्जन में उत्पन्न हो सकती है, जो संक्रमण या अन्य जटिलताओं का कारण बन सकता है। गोलान ने कहा कि नेतन्याहू के मामले में प्रोस्टेट कैंसर नहीं है, इसलिए डॉक्टर संभवत: एंडोस्कोपिक सर्जरी करेंगे। उन्होंने बताया कि यह सर्जरी लगभग एक घंटे तक चलती है और इससे व्यक्ति जल्द ही ठीक हो सकता है। नेतन्याहू को पहले भी कुछ स्वास्थ्य समस्याएं रही हैं, जिनमें हृदय संबंधी बीमारी भी शामिल है।

खालिस्तान कट्टरपंथियों कारण पूरी दुनिया में सिख समुदाय हो रहा बदनाम

इंटरनेशनल डेस्क. हाल ही में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर एक क्रिकेट मैच के दौरान खालिस्तान कट्टरपंथी आंदोलन को समर्थन देने वाले कुछ लोगों और भारतीय दर्शकों के बीच झड़प हो गई। जबकि ऐसी घटनाएं अक्सर मीडिया में सुर्खियां बनती हैं, हमें इन घटनाओं के व्यापक असर और इन्हें मिलने वाले अत्यधिक ध्यान को समझना बेहद जरूरी है। जैसा कि एक दर्शक ने कहा, इन लोगों को कोई ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए... ये सिर्फ 5-10 लोग हैं, जो यहां पैदा हुए और बड़े हुए हैं। इन्होंने कभी पंजाब नहीं देखा और अपना खुद का एजेंडा चलाने के लिए यह सब कर रहे हैं। हमें इनको कोई भी ध्यान नहीं देना चाहिए। यह बयान कई भारतीयों और सिखों के दिल की बात है, जो इस बात से परेशान हैं कि कुछ लोगों के कारण पूरे समुदाय की छवि पर गलत असर पड़ता है।

सिख धर्म एक ऐसा धर्म है जो समानता, न्याय और मानवता की सेवा के सिद्धांतों पर आधारित है और यह दुनिया भर में अपनी समावेशिता और विविधता के लिए जाना जाता है। सिखों ने वैश्विक समुदाय में जबरदस्त योगदान दिया है—चाहे वह मानवता की सेवा हो या किसी पेशे में सफलता। फिर भी, जब कुछ लोग, जो अक्सर पंजाब की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जड़ों से जुड़े नहीं होते, विभाजनकारी और उग्र एजेंडों को बढ़ावा देते हैं, तो वे पूरी सिख पहचान को नुकसान पहुँचाते हैं। आज खालिस्तान कट्टरपंथी आंदोलन मुख्य रूप से प्रवासी समुदायों में सीमित है, और विडंबना यह है कि इनमें से कई लोग कभी भी पंजाब नहीं गए। जैसा कि उस क्रिकेट मैच में दर्शक ने कहा, उनका एजेंडा अधिकतर प्रदर्शनात्मक होता है और यह एक वास्तविक आंदोलन की बजाय व्यक्तिगत नाराजगी या पहचान की आवश्यकता पर आधारित होता है।

पश्चिमी मीडिया अक्सर इन कट्टरपंथी तत्वों को अतिशयोक्ति से प्रस्तुत करता है, जिससे उन्हें एक ऐसा मंच मिलता है जो उनके वास्तविक प्रभाव से कहीं अधिक होता है। इससे यह गलत धारणा बनती है कि ये तत्व सिख या भारतीय प्रवासी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि हकीकत यह है कि अधिकांश सिख अपनी दोहरी पहचान पर गर्व करते हैं—एक गर्वित पंजाबी और अपने देशों के प्रति निष्ठावान नागरिक। यह अतिरिक्त मीडिया ध्यान केवल सार्वजनिक धारणा को विकृत करता है और अनावश्यक तनाव पैदा करता है। जब दुनिया गंभीर मुद्दों जैसे जलवायु परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक असमानताओं से जूझ रही है, तो इन छोटी-सी घटनाओं से होने वाली गर्मागर्म बहसें समाज के लिए वास्तविक लक्ष्यों से भटकने का कारण बनती हैं।

पेट्रोल-डीजल सस्ता, इनकम टैक्स में राहत!

नेशनल डेस्क. देश में बढ़ती महंगाई के बीच 1 फरवरी 2025 को पेश होने वाले वित्त वर्ष 2025-26 के बजट से लोगों को राहत की उम्मीद है। प्रमुख उद्योग संगठन *CII* (कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री) ने सरकार को सुझाव दिया है कि पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई जाए और टैक्सपेयर्स के लिए इनकम टैक्स में राहत दी जाए।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से उम्मीद है कि वह खपत और मांग को बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाएंगी। भारत के सबसे बड़े बिजनेस चैंबर, सीआईआई, ने सरकार को कई सुझाव दिए हैं, जिनका उद्देश्य घरेलू खपत को बढ़ावा देना है।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने का आग्रह

सीआईआई ने बजट 2025-26 के लिए वित्त मंत्री को सुझाव दिया है कि पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की जाए। संगठन का मानना है कि इससे ईंधन की कीमतों में कमी आएगी, जिससे महंगाई पर लगाम लगेगी और आम लोगों के खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी। ईंधन की ऊंची कीमतें और महंगाई= सीआईआई के मुताबिक, पेट्रोल और डीजल के बढ़े दाम महंगाई को बढ़ावा दे रहे हैं।

क्रूड ऑयल की गिरती कीमतों का फायदा नहीं= मई 2022 के बाद से वैश्विक क्रूड ऑयल की

कीमतों में 40त्न तक की कमी आई है, लेकिन इसका फायदा उपभोक्ताओं को नहीं मिला। टैक्स का बड़ा हिस्सा= पेट्रोल की कीमत में 21% और डीजल में 18 हिस्सेदारी एक्साइज ड्यूटी की है।

सीआईआई ने आम करदाताओं के लिए टैक्स रेट घटाने का सुझाव दिया है। संगठन ने कहा है कि व्यक्तिगत करदाताओं और कॉरपोरेट टैक्स रेट्स के बीच बड़े अंतर को कम किया जाना चाहिए।

इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव= सीआईआई ने 20 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वालों के लिए इनकम टैक्स रेट कम करने का सुझाव दिया है।

टैक्स रेट का बड़ा अंतर= व्यक्तिगत करदाताओं के लिए अधिकतम टैक्स रेट 42.74त्न है, जबकि कॉरपोरेट टैक्स रेट 25.17% है।

मांग और खपत बढ़ाने का प्रभाव= टैक्स में कटौती से न केवल खपत बढ़ेगी बल्कि इकोनॉमिक ग्रोथ और टैक्स रेवेन्यू में भी सुधार होगा।

महंगाई से खपत पर प्रभाव

सीआईआई के डायरेक्टर जनरल चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि घरेलू खपत भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि के लिए जरूरी है। महंगाई के कारण लोगों की पर्चेजिंग पावर घटी है, जिससे बाजार में मांग कम हुई है।

उद्योग जगत की उम्मीदें

बजट 2025 से उद्योग जगत को बड़ी राहत की उम्मीद है। मांग और खपत बढ़ाने के लिए पेट्रोल-डीजल पर टैक्स कम करना, इनकम टैक्स में राहत देना और महंगाई पर नियंत्रण जैसे कदम आर्थिक सुधारों में अहम साबित हो सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569